RNI No. GJHIN/25/A2786
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 204
दि. 28. 04. 2026
मंगलवार
पाना : 04
किमत : 00.50 पैसा

बंगाल चुनाव में विवाद : पुलिस ऑब्जर्वर के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंची टीएमसी, भाजपा उम्मीदवार से मिलने पर उपजा विवाद

कोलकाता ,एजेंसी। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण की मतदान की तैयारियों के बीच अब एक नया राजनीतिक विवाद सामने आया है। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पार्टी ने कलकत्ता हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की है, जिसमें पुलिस ऑब्जर्वर पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पार्टी का कहना है कि पुलिस ऑब्जर्वर परमार पुरुषोत्तम दास ने 142-मगराहाट पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार गौर घोष के साथ एक अनौपचारिक (ऑफिशियल नहीं) बैठक की। टीएमसी ने इसे गंभीर आचार उल्लंघन और निष्पक्षता के खिलाफ बताया है। इतना ही नहीं टीएमसी की यह भी आरोप है कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान पुलिस ऑब्जर्वर का किसी राजनीतिक उम्मीदवार से इस तरह मिलना निष्पक्षता पर सवाल उठाता है। पार्टी ने कहा कि यह कदम चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता और भरोसे को प्रभावित कर सकता है। इसी वजह से टीएमसी ने कलकत्ता हाई कोर्ट से हस्तक्षेप करने की मांग की है और मामले की जांच की अपील की है। पार्टी का कहना है कि चुनाव के दौरान सभी अधिकारियों को पूरी तरह निष्पक्ष रहना चाहिए, ताकि किसी भी राजनीतिक दल को अनुचित लाभ न मिले।

धीरेंद्र शास्त्री ने कहा- मैं माफी मांगता हूं

छत्रपति शिवाजी महाराज और समर्थ रामदास स्वामी के बारे में दिया था विवादित बयान

नागपुर ,एजेंसी। छत्रपति शिवाजी महाराज और समर्थ रामदास स्वामी के बारे में अपनी टिप्पणी को लेकर विवादों में घिरे बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने माफी मांग ली। रविवार को नागपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस में धीरेंद्र शास्त्री ने कहा- कुछ लोगों ने मेरे बयान का गलत अर्थ निकाला। मैं जिस स्वराज और हिंदू राष्ट्र की अवधारणा का सम्मान करता हूं, उसमें छत्रपति शिवाजी महाराज का स्थान सर्वोच्च है। उनके बारे में नकारात्मक बोलना तो दूर, मैं ऐसा सपने में भी नहीं सोच सकता। उन्होंने आगे कहा- संदर्भ बिल्कुल अलग था। छत्रपति शिवाजी महाराज की संतों और अपने गुरु समर्थ रामदास स्वामी के प्रति गहरी निष्ठा थी। हम एक शिष्य की अपने गुरु के प्रति भक्ति के बारे में बात कर रहे थे। ठीक वैसे ही जैसे महाभारत में अर्जुन ने भगवान कृष्ण से कहा कि वह अपने ही लोगों से युद्ध नहीं करेंगे, तब कृष्ण ने गीता का उपदेश दिया था। हमारा उद्देश्य केवल छत्रपति शिवाजी महाराज की महानता को उजागर करना था कि वे संतों के प्रति कितने गहरे रूप से समर्पित थे, लेकिन एक छोटा सा अंश संदर्भ से काटकर फैला दिया गया।

ईरानी सांसद बोले- पाकिस्तान मध्यस्थ बनने के लायक नहीं :वह अमेरिका के पक्ष में झुका है

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान,एजेंसी। मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत में अभी तक कोई ठोस सहमति नहीं बन पाई है। इसी बीच ईरान के एक नेता ने पाकिस्तान की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के प्रवक्ता इब्राहिम रेजई ने कहा कि पाकिस्तान दोस्त जरूर है, लेकिन वह बातचीत में बीच का सही पक्ष (मध्यस्थ) नहीं बन सकता। रेजई ने कहा कि पाकिस्तान अक्सर डोनाल्ड ट्रम्प और अमेरिका के हितों को ध्यान में रखता है और उनके खिलाफ कुछ नहीं कहता। इसलिए वह निष्पक्ष नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि एक सही मध्यस्थ वही होता है, जो दोनों पक्षों के बीच निष्पक्ष रहे, न कि हमेशा एक ही पक्ष की तरफ झुका रहे। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने 24 घंटे में 2 बार पाकिस्तान का दौरा किया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रविवार को ईरान को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि उसके पास युद्ध खत्म करने के लिए सीजफायर पर सहमत होने के लिए सिर्फ तीन दिन हैं, नहीं तो उसकी तेल पाइपलाइन में ब्लास्ट हो जाएगा।

पीएम मोदी ने बैरकपुर से बंगाल को दी पांच गारंटी

बोले: 'पढ़ाई, लिखाई और दवाई हमारी प्राथमिकता'

बीजेपी को वोट दीजिए ताकि बेटियां हर समय बाहर निकल सकें

बैरकपुर (पश्चिम बंगाल) ,एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा। आज प्रचार का अंतिम दिन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा का प्रचार करने बैरकपुर पहुंचे। पीएम मोदी ने कहा, '1857 में इसी बैरकपुर की धरती ने आजादी की पहली लड़ाई को ताकत दी थी। यही धरती आज बंगाल में परिवर्तन की राह को और प्रशस्त कर रही है।' भाजपा के चुनावी नारे और बंगाल में बदलाव की बयार का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने रैली में कहा कि बंगाल में हर ओर एक ही नारा सुनाई दे रहा है 'पलटनो दरकार, चाई बीजेपी सरकार।' यानी जनता बदलाव चाहती है और भाजपा की सरकार बनाने का मन बना चुकी है।

रैली को चुनाव प्रचार की अंतिम सभा बताते हुए पीएम मोदी ने कहा कि पूरे राज्य में लोगों का मूड देखकर उन्हें विश्वास है कि 4 मई को नतीजे आने के बाद भाजपा की सरकार बनेगी और वह शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने फिर बंगाल आएंगे।

'जनता ही मेरा परिवार है और उनके बीच रहकर सुकून मिलता है':उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान मिले जनसमर्थन का जिक्र करते हुए कहा कि रैलियों और रोड शो के दौरान लोगों द्वारा दिए गए संदेश, पत्र और चित्र उनके लिए बेहद खास हैं। वह रात में समय निकालकर इन भावनाओं को समझते हैं और लोगों के संदेशों को पढ़ते हैं। अपने लंबे राजनीतिक सफर को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वह पिछले कई दशकों से देशभर में लगातार काम कर रहे हैं और पार्टी द्वारा सौंपी गई हर जिम्मेदारी को निभाते आए हैं। उन्होंने कहा कि जनता ही उनका परिवार है और उनके बीच रहकर उन्हें सुकून मिलता है।

पीएम मोदी ने दावा किया कि राज्य में बदलाव की लहर साफ दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि बंगाल की धरती से उनका जुड़ाव बेहद खास है और यहां के अनुभवों को वह अपने जीवन का आशीर्वाद मानते हैं। उनके अनुसार, जिस तरह जनता बड़ी संख्या में सामने आ रही है, उससे स्पष्ट है कि बैरकपुर समेत पूरा बंगाल बदलाव के लिए तैयार खड़ा है। पीएम मोदी ने अपने चुनावी रोड शो और रैलियों को 'तीर्थ यात्रा' जैसा अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी और लगातार कार्यक्रमों के बावजूद उन्हें थकान महसूस नहीं हुई, क्योंकि लोगों का उत्साह उन्हें लगातार ऊर्जा देता रहा। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम खत्म होने के बाद भी दूर-दूर तक लोगों की भीड़ लगी रहती थी, जिसे देखकर वह फिर से पूरे जोश के साथ उनके बीच पहुंच जाते थे। उन्होंने यह भी कहा कि मां काली के भक्तों के बीच जाने से उन्हें विशेष ऊर्जा मिलती रही। बैरकपुर से पश्चिम बंगाल के बैरकपुर में जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य की जनता के लिए पांच अहम गारंटियों का एलान किया। उन्होंने कहा कि ये वादे बंगाल के विकास और युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखकर किए गए हैं। पीएम मोदी की पहली गारंटी के तहत रेहड़ी-पटरी पर काम करने वाले लोगों को बैंक के जरिए आर्थिक सहायता दी जाएगी, ताकि उनका कारोबार मजबूत हो सके। दूसरी गारंटी में उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकारी भर्तियां तय समयसीमा के भीतर और पूरी पारदर्शिता के साथ पूरी की जाएंगी।

पीएम मोदी की 5 बड़ी गारंटी

01	02	03	04	05
रेहड़ी पटरी वालों को बैंक से दी जाएगी मदद	भर्ती तय समय और पारदर्शी तरीके से होगी	रोजगार मेले में नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे	राज्य में 7वां वेतन आयोग का तुरंत लागू करेंगे	पलायन रोकेंगे, गांवों में 125 दिन का रोजगार

टीएमसी सांसद मिताली बाग की कार पर हमला

सांसद और उनका ड्राइवर घायल ; टीएमसी बोलीं- शाह की धमकी के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं का हमला

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल के हुगली में सोमवार को TMC सांसद मिताली बाग की कार पर हमला हुआ। TMC का आरोप है कि भाजपा समर्थकों ने गोगहाट में उनकी गाड़ी पर ईंट-पत्थर और लाठियों से हमला किया। मिताली बाग गोगहाट से आरामबाग में अभिषेक बनर्जी के रोड शो में शामिल होने जा रही थीं। इसी दौरान उन पर हमला हुआ। हमले में कार के शीशे टूट गए। सांसद और उनके ड्राइवर को चोट आई है। घायलों को आरामबाग मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है TMC ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने धमकी दी थी कि जो भी घर से बाहर निकलेगा, उसे उल्टा लटका दिया जाएगा। उसी के बाद यह हमला हुआ। इधर, पीएम नरेंद्र मोदी ने उत्तर 24 परगना में रैली की। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में बंगाल की दशा और दिशा दोनों बदलने वाली है। यह चुनाव सिर्फ बंगाल ही नहीं, पूरे पूर्वी भारत का भविष्य तय करेगा।

भाजपा का आरोप- पुलिस थाना छोड़कर चली गई, टीएमसी के लोगों ने हमला किया

भाजपा का आरोप है कि घटना के समय पुलिस थाना छोड़कर चली गई और तृणमूल समर्थकों ने हमला किया। जगदल से भाजपा प्रत्याशी राजेश कुमार ने कहा कि वे और पूर्व सांसद अर्जुन सिंह समर्थकों के साथ शिकायत दर्ज कराने पहुंचे थे, तभी अधिकारी वहां से चले गए। इसके बाद ञस्ष्ट समर्थकों ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमला कर दिया। भाटपाड़ा सीट से भाजपा उम्मीदवार पवन कुमार सिंह ने कहा कि विवाद एक दिन पहले उनकी स्ट्रीट कॉर्नर मीटिंग से शुरू हुआ था, जब TMC के स्थानीय पार्षद मनोज पांडे समर्थकों के साथ पहुंचे और कार्यक्रम में बाधा डाली। उन्होंने आरोप लगाया कि शिकायत के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई।

बंगाल में 79 देशी बम मिलने का केस एआईए ने संभाला

गृह मंत्रालय के आदेश पर NIA ने पश्चिम बंगाल में देशी बम बरामदगी से जुड़े मामले को अपने हाथ में लिया है। कोलकाता पुलिस ने 25 अप्रैल को एक जगह से 79 देशी बम और अन्य आपत्तिजनक सामान बरामद किया था, जिससे लोगों की जान और संपत्ति को खतरा था।

केजरीवाल बोले- जस्टिस स्वर्णकांता से न्याय की उम्मीद खत्म

● उनके बेटे को केंद्र से सबसे ज्यादा केस मिले, शराब घोटाला मामले में हाईकोर्ट नहीं जाऊंगा

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने शराब नीति घोटाला मामले में हाईकोर्ट में पेश होने से इनकार कर दिया है।

उन्होंने कहा कि जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा जी से न्याय मिलने की उम्मीद टूट चुकी है। मैं हाईकोर्ट में पेश नहीं होऊंगा, न ही कोई दलील रखूंगा। मैंने अपनी अंतरआत्मा की आवाज सुनते हुए महात्मा गांधी के सत्याग्रह का रास्ता अपनाने का फैसला किया है।

केजरीवाल ने कहा कि जस्टिस स्वर्णकांता के दोनों बच्चे केंद्र सरकार के वकील पैनल का हिस्सा हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता दोनों बच्चों को केस देते हैं। उनके बेटे को 2023 से 2025 के बीच लगभग 5904 केस मिले। अगर जज के बच्चों का भविष्य सॉलिसिटर जनरल तय कर रहे हैं तो क्या जज साहिबा उनके खिलाफ फैसला सुना पाएंगी।केजरीवाल ने सोमवार को पहले जस्टिस स्वर्णकांता को लेटर लिखा, फिर वीडियो शेयर कर अपनी बात कही।

जस्टिस स्वर्णकांता ने कहा था- मैं हटी तो संदेश जाएगा कि दबाव डालकर जज हटा सकते हैं इससे पहले 20 अप्रैल को दिल्ली हाईकोर्ट ने जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा को मामले से अलग करने की मांग वाली केजरीवाल की याचिका खारिज कर दी थी। जस्टिस स्वर्णकांता ने कहा था कि मैं इस मामले से खुद को अलग नहीं करूंगी।

मिडिल ईस्ट पर मतभेद के कारण ब्रिक्स की आम सहमति मुश्किल, भारत ने फलस्तीन के पक्ष का किया समर्थन

नई दिल्ली,एजेंसी। पिछले हफ्ते मिडिल-ईस्ट पर हुई ब्रिक्स (BRICS) की बैठक में कोई आम सहमति वाला दस्तावेज तैयार नहीं हो सका, क्योंकि इस संघर्ष में शामिल सदस्य देशों के रुख में काफी मतभेद थे।

भारतीय अधिकारियों के अनुसार, बाकी सभी देशों द्वारा इन मतभेदों को दूर करने की कोशिशें कामयाब नहीं हो सकीं। इस साल ब्रिक्स की अध्यक्षता भारत के पास है और वह अगले महीने विदेश मंत्रियों की बैठक की मेजबानी करेगा। इसके बाद इसी साल के अंत में शिखर सम्मेलन होगा।

मिडिल-ईस्ट में संघर्ष को लेकर जताई चिंता :आम सहमति न बन पाने के कारण पिछले हफ्ते विदेश मंत्रियों और विशेष दूतों की बैठक में कोई संयुक्त बयान जारी नहीं हो सका। इसके बजाय 'अध्यक्ष का बयान' जारी किया गया, जिसमें कहा गया कि सदस्य देशों ने मिडिल-ईस्ट में हाल ही में हुए संघर्ष पर गहरी चिंता जताई और इस मामले पर अपने विचार और आकलन पेश किए।

चर्चाओं में फलस्तीन का मुद्दा और गाजा की स्थिति शामिल थी, जिसमें मानवीय सहायता पहुंचाना, UNRW की भूमिका, आतंकवाद के प्रति 'जीरो-टॉलरेंस' का रवैया अपनाना और लेबनान में हुए संघर्ष-विराम का स्वागत करना शामिल था।

आम सहमति न बनने का क्या रहा कारण?

जहां एक ओर ईरान, अमेरिका और इजरायल के खिलाफ ब्रिक्स देशों की एकजुटता चाहता रहा है और भारत से आम सहमति बनाने की दिशा में काम करने का आग्रह करता रहा है। वहीं दूसरी ओर संयुक्त अरब अमीरात (UAE) और सऊदी अरब की मौजूदगी के कारण कोई संयुक्त बयान जारी नहीं हो सका।

लू से झुलस रहे दिल्ली-यूपी-बिहार

राजस्थान में पारा 46 के पार; मंगलवार से राहत मिलने के आसार

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, बिहार, उत्तराखंड और हिमाचल समेत उत्तर भारत के कई राज्य लू से झुलस रहे हैं। अलबत्ता, कुछ राज्यों में आंधी, बादल और छिटपुट बारिश ने राहत के संकेत भी दिए हैं। सबसे तीखा असर उत्तर प्रदेश और राजस्थान में दिखा, जहां पारा 46 डिग्री के करीब पहुंच गया। बांदा 46.6 डिग्री सेल्सियस के साथ उत्तर प्रदेश का सबसे गर्म जिला रहा, जबकि राजस्थान के कोटा में 44.8 और चूरू में 43 डिग्री तापमान दर्ज हुआ। राजस्थान के 10 शहरों में पारा 40 डिग्री के पार पहुंचना बताता है कि गर्मी ने व्यापक दायरा ले लिया है।

यूपी में लू का कहर

मौसम विभाग ने अगले दो दिन तक राहत सीमित रहने के संकेत दिए हैं। उत्तर प्रदेश में बांदा और प्रयागराज में लू के थपेड़ों ने लोगों की दिनचर्या प्रभावित कर दी है। कानपुर में भी तापमान 45.7 डिग्री तक पहुंच गया। सोमवार तक लू जारी रहने और मंगलवार से कुछ राहत मिलने की संभावना जताई गई है।

राजस्थान में भी हीट वेव

राजस्थान में भी हीट वेव जैसे हालात बने हुए हैं, जहां पश्चिमी और पूर्वी हिस्सों में तपिश का असर साफ दिख रहा है। उत्तराखंड में अप्रैल की गर्मी ने 17 साल का रिकार्ड तोड़ दिया है। देहरादून में तापमान 39.2 डिग्री पहुंचने और मैदानी इलाकों में हीट वेव की आशंका के बीच प्रशासन ने एहतियातन स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र बंद रखने के आदेश दिए हैं, जो इस गर्मी से उपजे संकट की गंभीरता को रेखांकित करता है।

हरिद्वार में पारा 40 के पार

हरिद्वार और ऊधम सिंह नगर में भी रविवार को पारा 40 डिग्री पार रहा। दूसरी ओर पर्वतीय जिलों में ओलावृष्टि और बिजली गिरने का आरेंज अलर्ट जारी हुआ।हिमाचल में ऊना, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और सोलन में लू की चेतावनी ने स्पष्ट किया है कि पहाड़ी राज्य में भी गर्मी असर दिखा रही है। ऊना में तापमान 41.8 डिग्री दर्ज हुआ, जबकि कई स्थानों पर सामान्य से दो से सात डिग्री अधिक तापमान रिकार्ड हुआ। बिहार में तस्वीर कुछ बदली हुई रही। भीषण गर्मी के बीच रविवार से मौसम करवट लेता दिखा।

पटना का गर्मी से बुरा हाल

पटना के तापमान में 6.4 डिग्री की गिरावट राहत लेकर आई। हालांकि, कैमूर 43.5 डिग्री के साथ सबसे गर्म रहा। उत्तरी बिहार में गरज-चमक और आंधी-पानी की चेतावनी तथा किशनगंज में 75.4 मिमी बारिश ने संकेत दिया कि कुछ इलाकों में प्री-मानसून गतिविधियां सक्रिय होने लगी हैं। मध्य प्रदेश के कई शहरों में रविवार को भी तेज गर्मी रही। इंदौर में सात साल बाद पारा 43 डिग्री सेल्सियस पहुंचा। छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी का दौर जारी है।

मां के प्यार में बेटे ने बनवाया दक्षिणी ताजमहल

तमिलनाडु के थिरुवरुर में उमड़ रही लोगों की भीड़

थिरुवरुर,एजेंसी। मां के प्रति एक बेटे का प्रेम अब भव्य स्मारक के रूप में लोगों को आकर्षित कर रहा है। तमिलनाडु के थिरुवरुर जिले में बना यह अनोखा स्मारक इन दिनों चर्चा का केंद्र बना हुआ है। लोग इसे दक्षिणी ताजमहल कह रहे हैं और इसे देखने के लिए राज्य ही नहीं, बल्कि देशभर से बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंच रहे हैं।

अमुरदीन ने अपनी मां के याद में बनवाई यह इमारत :यह स्मारक अम्मायाप्पन गांव में बनाया गया है। यहां रहने वाले शेख दाऊद और जेलानी बीवी के बेटे अमुरदीन (49), जो चेन्नई के व्यवसायी हैं, ने अपनी मां की याद में इस इमारत का निर्माण कराया। परिवार में उनकी चार बहनें भी हैं और सभी चेन्नई में रहते हैं। पिता के निधन के कुछ वर्षों बाद वर्ष 2020 में मां जेलानी बीवी का भी देहांत हो गया। मां के जाने के बाद अमुरदीन ने उनकी याद को हमेशा जीवित रखने के लिए गांव में एक भव्य स्मारक बनाने का फैसला किया।

किससे मिली इमारत बनवाने की प्रेरणा? उन्होंने बताया कि उन्हें एम. करुणानिधि से प्रेरणा मिली, जिन्होंने अपनी मां अंजुगम अम्मैयार की स्मृति में स्मारक बनवाया था। इसी सोच के साथ अमुरदीन ने भी अपनी मां के लिए कुछ खास करने का निर्णय लिया। अमुरदीन का कहना है कि जिस तरह ताज महल प्रेम का प्रतीक माना जाता है, उसी तरह वह अपनी मां के लिए प्रेम, सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक बनाना चाहते थे। इसलिए उन्होंने राजस्थान से सफेद संगमरमर मंगवाकर मुगल शैली में ताजमहल जैसी इमारत तैयार करवाई।

इमारत की खासियत :करीब एक एकड़ जमीन पर बने इस स्मारक का निर्माण लगभग 8,000 वर्गफुट क्षेत्र में किया गया है। इसकी चौड़ाई 46 फीट है और इसमें ऊंची मीनारें भी बनाई गई हैं। इस अनोखे स्मारक का उद्घाटन 2 जून 2022 को सादगीपूर्ण समारोह में किया गया था।

स्मारक परिसर में उनकी मां की याद में एक मस्जिद बनाई गई है। साथ ही एक ओर भव्य नमाज स्थल और दूसरी ओर मदरसा भी है, जहां छात्र रहकर पढ़ाई कर सकते हैं। दक्षिण तमिलनाडु में सफेद संगमरमर से बना यह अपनी तरह का पहला ताजमहल शैली स्मारक माना जा रहा है। इसके खुलने के बाद से हजारों लोग यहां पहुंच चुके हैं।

इमारत की लोकप्रियता बढ़ रही है

गर्मी की छुट्टियों के चलते अब यहां आने वालों की संख्या और बढ़ गई है। तमिलनाडु समेत देश के कई हिस्सों से परिवार यहां पहुंच रहे हैं। आगंतुकों के लिए प्रबंधन की ओर से मुफ्त छाछ, सुंडल और मूंगफली की चिक्की भी दी जा रही है। सबसे खास बात यह है कि यहां सभी धर्मों और समुदायों के लोगों को बिना किसी भेदभाव के प्रवेश दिया जाता है। लोग परिवार के साथ तस्वीरें खिंचवा रहे हैं और इस अनोखे स्मारक को देखकर भावुक भी हो रहे हैं। स्थानीय लोग अमुरदीन की जमकर सराहना कर रहे हैं। उनका कहना है कि मां के सम्मान में प्रेम और श्रद्धा का ऐसा उदाहरण बहुत कम देखने को मिलता है।

संपादकीय

हम 'आप' के नहीं

अभी तो आम आदमी पार्टी (आप) के 7 राज्यसभा सांसदों ने दलबदल किया है और भाजपा के पाले में चले गए हैं। पंजाब के 50-60 विधायक भी पार्टी नेतृत्व से नाराज और असंतुष्ट हैं। वे 'आप' की बिखरती ईकाई हैं। रपटें ये भी हैं कि भाजपा 'आप' के 3 लोकसभा सांसदों को भी तोडने़ के मिशन में जुट गई है। यह कोई सामान्य दलबदल अथवा राजनीतिक टूट, बिखरन नहीं है। बेहद अहम राजनीतिक घटना है, जो कमोबेश 'आप' का परिदृश्य बदल सकती है। इस बगावत ने पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल के गुमान को खंडित कर दिया है। केजरीवाल मात्र दो साल के लिए संयोजक बने थे, लेकिन 2018 में पार्टी संविधान में संशोधन कराया गया। अब केजरीवाल हमेशा के लिए पार्टी के 'आलाकमान' हो गए हैं। 'आप' 14 साल पुरानी पार्टी हो गई है। कार्यकर्ताओं और नेताओं के एक गुट को 'आलाकमान संस्कृति' पसंद नहीं है, नतीजतन बिखराव और टूटन शाश्वत हो गई है। केजरीवाल कहा करते थे कि 'आप' के कार्यकर्ता और नेता इतने मजबूत हैं कि उन्हें कोई भी लालच, पैसा, पद या जांच एजेंसियों का दबाव तोड़ नहीं सकता। उन्हें ऐसे साथियों पर गर्व और गुमान है। राज्यसभा सांसदों की टूट और उनके भाजपा में शामिल होने की घटना ने तमाम धारणाएं खंडित की हैं और सवाल उठाए हैं कि आखिर राघव चड्ढा और संजीव पाठक ने बगावत क्यों की? राघव पेशेवर चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं और संजीव पाठक आईआईटी प्रोफेसर थे। वे तो केजरीवाल के 'प्रियतम' में एक थे। उन्हें केजरीवाल ही राजनीति में लाए और संसद के सर्वोच्च सदन तक पहुंचने का मौका दिया।

कमोबेश इन दोनों 'आप' नेताओं का अलग होना और अंततः भाजपा में शामिल होना बहुत बड़ा आश्चर्य है। केजरीवाल को आत्ममंथन, आत्मचिंतन करना चाहिए कि ऐसे लोग पार्टी क्यों छोड़ रहे हैं? इन दोनों नेताओं पर किसी 'दागदार मामले' की छाया तक नहीं है, जो सीबीआई या ईडी की जांच का डर, खौफ हो। शेष सांसद या तो उद्योगपति हैं अथवा हरभजन की तरह पेशेवर हैं। अशोक मित्तल को तो इसी माह राज्यसभा में 'आप' संसदीय दल का उपनेता बनाया गया था। 15 अप्रैल को ईडी ने उनकी 'लवली यूनिवर्सिटी' और अन्य ठिकानों पर छापेमारी की और 24 अप्रैल को वह टूट कर भाजपा की गोद में आ गए। मित्तल यूनिवर्सिटी के चांसलर भी हैं। साफ है कि जांच एजेंसियों के प्रभाव और जेल जाने की संभावनाएं अपना काम जरूर करती हैं, लिहाजा नेतागण दलबदल करने को विवश होते हैं। बहरहाल इस टूटन के अंतिम फलितार्थ ऐसे हो सकते हैं कि 'आप' राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा खो सकती है। सबसे अहम संकट और चुनौती पंजाब में है, क्योंकि वहां विधानसभा चुनाव फरवरी, 2027 में होने हैं। बेशक विधायकों के टूटने की आशंका तो है, लिहाजा मुख्यमंत्री भगवंत मान ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात का समय मांगा है। मुख्यमंत्री राष्ट्रपति से मांग करना चाहते हैं कि जो पंजाब विधायकों के वोट से राज्यसभा सांसद चुने गए थे, उन्हें 'अयोग्य' करार दिया जाए। सवाल है कि राष्ट्रपति किसी भी सांसद को 'अयोग्य' कैसे घोषित कर सकते हैं? यह संवैधानिक अधिकार उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा सभापति को ही है, जिसकी अपनी एक प्रक्रिया है। 'आप' संसदीय दल के नेता संजय सिंह भी सभापति राधाकृष्णन को पत्र लिख कर सांसदों की सदस्यता खत्म करने की मांग करेंगे। यह इतना आसान नहीं है, क्योंकि भाजपा ने तमाम औपचारिकताएं पहले ही पूरी करवा रखी हैं। इस दलबदल से राज्यसभा में भाजपा के 113 सदस्य हो जाएंगे। सामान्य बहुमत से मात्र 10 सांसद ही कम हैं।

आधुनिकीकरण की राह पर रेलवे

रेल और वेल्ड टूटने की घटनाएं 90 प्रतिशत तक कम हो गई हैं और करीब 1,800 ट्रैक मशीनें काम कर रही हैं। अब रेलवे ने एक नई आनलाइन व्यवस्था भी शुरू की है, जिसे ट्रैक मैनेजमेंट सिस्टम यानी टीएमएस कहा जाता है। भारत में हर दिन 25,000 से अधिक ट्रेनें चलती हैं। ये ट्रेनें रोजाना दो करोड़ से अधिक यात्रियों को ले जाती हैं और कोयला, लौह अयस्क, अनाज, स्टील, सीमेंट तथा अन्य वस्तुओं की बड़ी मात्रा को 1,37,000 किमी से अधिक लंबे रेल नेटवर्क पर एक से दूसरे स्थान तक पहुंचाती हैं। यह व्यवस्था जिस आधार पर काम करती है, वह रेल पटरी है। जब पटरी अच्छी स्थिति में होती है, तब ट्रेनें सुरक्षित रूप से अधिक गति से चलती हैं। जब पटरी खराब होती है, तो इसके परिणाम गति पर रोक, देरी और सुरक्षा संबंधी जोखिम के रूप में सामने आते हैं। रेल की पटरी में दरार, कोई ढीला पुर्जा या गिट्टी की परत में रुकावट, इनमें से कोई भी ट्रेन की गति को प्रभावित कर सकती है।

अश्विनी वैष्णव।

रेल पटरियों के महत्व को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेलवे ने पिछले कुछ वर्षों में व्यापक आधुनिकीकरण कार्यक्रम शुरू किया है। इस कार्य में आधुनिक मशीनों से पटरियों का नवीनीकरण, उन्नत तरीकों से जांच और निरीक्षण, मशीनीकृत रखरखाव, सुरक्षा बाड़बंदी आदि शामिल रहे हैं। इन प्रयासों ने रेल नेटवर्क की स्थिति को स्पष्ट रूप से बदल दिया है।

2014 से अब तक लगभग 55,000 किमी पटरियों का नवीनीकरण किया गया है, जिससे सुरक्षा और यात्रा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है तथा बार-बार मरम्मत की आवश्यकता कम हुई है। लगभग 44,000 किमी ट्रैक में 260 मीटर लंबे रेल पैनल बिछाए गए हैं। लंबे पैनलों का अर्थ है कम जोड़, जिससे ट्रेनों की आवाजाही अधिक सुगम-सुरक्षित होती है। अब 80,000 ट्रैक किमी से अधिक हिस्से में मजबूत 60 किग्रा वाली रेल पटरियों का उपयोग हो रहा है, जो अधिक भार ढुलाई और तेज गति सुनिश्चित करती हैं।जहां मजबूत रेल पटरी बिछाना जरूरी है, वहीं समय रहते खराबी पकड़ना भी जरूरी है। छिपी हुई दरारों को खोजने के लिए अल्ट्रासोनिक जांच की जाती है। इसके तहत करीब 36.2 लाख किमी ट्रैक और 2.25 करोड़ वेल्ड की जांच हुई। इससे रेल और वेल्ड टूटने की घटनाएं करीब 90 प्रतिशत तक कम हो गई हैं। यानी अब खराबी होने के बाद उसे ठीक करने के बजाय पहले ही पकड़कर रोक लिया जाता है। अब रेलवे में दूसरी आधुनिक जांच तकनीक भी इस्तेमाल हो रही हैं। नई वेल्ड की जांच के लिए चुंबकीय जांच, फ्लैश-बट वेल्ड की जांच के लिए नई मशीनों और जीपीएस से जुड़ी ऐसी व्यवस्था बनाई गई है, जो ट्रेन यात्रा की गुणवत्ता मापती है और पटरी के खराब हिस्से की सही जगह बता देती है।

भारतीय रेलवे की ट्रैक मशीनों की संख्या 2014 में 748 थी, जो 2026 में बढ़कर 1,785 हो गई है। ये मशीनें पटरी को ठीक करने, गिट्टी साफ करने और हाथ से होने वाले काम की तुलना में ज्यादा तेज, बेहतर और एकसमान तरीके से करती हैं। पटरी के नीचे बिछी गिट्टी की परत साफ करने में मशीनों ने बड़ा फर्क पैदा किया है। यही गिट्टी पानी निकालने, कंपन कम करने और पटरी मजबूत बनाए रखने का काम करती है। पटरी की ऊपरी सतह की खराबी दूर करने के लिए भी एक लाख किमी से ज्यादा रेल ढांचे की ग्राइंडिंग की गई है।

इससे ट्रेन का सफर ज्यादा आरामदायक और सुरक्षित हुआ है। हर साल ट्रेनों की संख्या बढ़ रही है, इसलिए उनके रखरखाव के लिए मिलने वाला समय कम होता जा रहा है। ऐसे में मशीनों की मदद से कम समय में ज्यादा काम हो जाता है और ट्रेन सेवाएं भी प्रभावित नहीं होतीं। इस क्रम में सुरक्षा सिर्फ पटरी पर नहीं, बल्कि वहां भी जरूरी है जहां ट्रेनें लाइन बदलती हैं। इसलिए भारतीय रेलवे ने पटरी बदलने के साथ कई दूसरे सुधार भी किए हैं। करीब 17,500 किमी तक सुरक्षा के लिए बाड़ लगाई गई है, खासकर उन जगहों पर जहां ट्रेनें 110 किमी प्रति घंटे से ज्यादा रफ्तार से चलती हैं। इससे लोगों और जानवरों के पटरी पर आने की घटनाएं कम होती हैं।जहां ट्रेनें एक लाइन से दूसरी लाइन पर जाती हैं, वहां 36,000 नए और मजबूत स्विच लगाए गए हैं और 7,500 खास तरह के क्रासिंग लगाए गए हैं। ये ज्यादा समय तक चलते हैं और ट्रेन को बिना झटके के गुजरने देते हैं। 2019 से चौड़े और भारी स्लीपर लगाए जा रहे हैं, जिससे पटरी ज्यादा मजबूत रहती है, खासकर गर्मियों में। पुलों पर भी मजबूत स्लीपर लगाए गए हैं और यार्ड के अंदर लंबी वेल्ड वाली पटरियां बिछाई गई हैं। इससे पूरा रेलवे नेटवर्क और मजबूत हुआ है। रेल पटरियों के आधुनिकीकरण का सबसे साफ असर ट्रेनों की रफ्तार बढ़ने की क्षमता के रूप में दिखाई देता है। 130 किमी प्रति घंटे या उससे ज्यादा रफ्तार के लिए तैयार रेल पटरी का हिस्सा पहले सिर्फ छह प्रतिशत था, जो अब बढ़कर करीब 23 प्रतिशत हो गया है। इसी तरह 110 किमी प्रति घंटे या उससे ज्यादा रफ्तार वाली पटरी पहले करीब 40 प्रतिशत थी, जो अब 80 प्रतिशत तक पहुंच गई है।

तमाम सुधार अपना असर भी दिखा रहे हैं। 2014-15 में 135 बड़े रेल हादसे हुए थे, लेकिन 2025-26 में यह संख्या घटकर सिर्फ 16 रह गई। 12 साल पहले भारत की 60 प्रतिशत रेल पटरियां 110 किमी प्रति घंटे से कम रफ्तार तक ही सीमित थीं। रेल पटरी टूटने की घटनाएं आम थीं और ज्यादातर रखरखाव हाथ से किया जाता था। अब करीब 80 प्रतिशत रेल नेटवर्क 110 किमी प्रति घंटे या उससे ज्यादा रफ्तार संभाल सकता है।

रेल और वेल्ड टूटने की घटनाएं 90 प्रतिशत तक कम हो गई हैं और करीब 1,800 ट्रैक मशीनें काम कर रही हैं। अब रेलवे ने एक नई आनलाइन व्यवस्था भी शुरू की है, जिसे ट्रैक मैनेजमेंट सिस्टम यानी टीएमएस कहा जाता है। इसमें पटरी की जांच, ट्रेन के सफर की गुणवत्ता और पटरी की हालत से जुड़ी सारी जानकारी एक जगह मिल जाती है। इससे रेलवे को जल्द समझ आ जाता है कि कहां काम करने की जरूरत है। लाखों यात्रियों और रेल माल ढुलाई पर निर्भर कारोबारों के लिए इन बदलावों का बड़ा असर पड़ा है। अब यात्रा का समय घटा है और रेलवे नेटवर्क पहले से ज्यादा भरोसेमंद बना है। अभी तक की प्रगति दर्शाती है कि निरंतर मेहनत और निवेश से कितना बड़ा बदलाव संभव है।

(लेखक रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रानिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री हैं)

आज का इतिहास

1945 - इटली के देशभक्त सैनिकों द्वारा तानाशाह मुसोलिनी एवं उनकी पत्नी (रखैल) की गोली मारकर हत्या।

1999 - अमेरिकी वैज्ञानिक डाक्टर रिचर्ड सीड द्वारा एक वर्ष के अंदर मानव क्लोन बनाने की घोषणा, विश्वभर में हज़ारों कम्प्यूटरों को चेर्नोबिल वायरस ने ठप्प किया।

2001 - पहला अंतरिक्ष सैलानी टेनिस टीटो अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना।

2002 - बुकर पुरस्कार का नया नाम 'मैन बुकर प्राइज फ़ॉर फ़िक्शन' रखा गया, पाकिस्तान की सर्वोच्च न्यायालय ने राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ़ के जनमत संग्रह को वैध करार दिया।

2004 - थाबोम्बेकी ने दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति पद की शपथ ली। थाइलैंड में पुलिस चौकी पर हमले में 122 लोगों की मृत्यु।

2008 -

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरों) ने पीएसएलवी-सी9 के साथ 10 सैटेलाइट एक साथ छोड़कर एक नया इतिहास रचा।

मलेशिया में भारतीय मूल के दस सांसदों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। पाकिस्तान की प्रधानमंत्री रहीं बेनजीर भुट्टो को मरणोपरान्त प्रतिष्ठित टिपरी इंटरनेशनल पुरस्कार प्रदान किया गया।

28 अप्रॅल को जन्मे व्यक्ति

1981 - अनुप्रिया पटेल - भारत की सत्रहवीं लोकसभा की सांसद व नरेन्द्र मोदी सरकार की सबसे युवा मंत्री हैं।

1940 - समीर रंजन बर्मन - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनेता थे।

1929 - भानु अथैया - भारतीय फ़िल्मों की प्रसिद्ध ड्रेस डिज़ाइनर।

1791 - हरि सिंह नलवा - महाराजा रणजीत सिंह के सेनाध्यक्ष।

1924 - केनेथ कौंडा - ज़ाम्बिया के पहले राष्ट्रपति थे।

1897 - ये जियानयिंग - चीन में सेना प्रमुख के अध्यक्ष थे।

28 अप्रॅल को हुए निधन

2022 - सलीम गौस - बॉलीवुड, दक्षिण भारतीय और अंग्रेज़ी फिल्मों में अभिनय करने वाले, टेलीविजन और फिल्म अभिनेता थे।

1992 - विनायक कृष्ण गोकाक - 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' से सम्मानित कन्नड़ भाषा के प्रमुख साहित्यकारों में से एक।

1955 - टी. वी. सुन्दरम अयंगर - भारतीय उद्योगपति और ऑटोमोबाइल क्षेत्र के अग्रणी उद्यमी थे।

1740

बाजीराव प्रथम, मराठा साम्राज्य का महान् सेनानायक था।

तीन तिगाड़ा काम बिगाड़ा - 3 और 13 के आंकड़े क़ो अशुभ माना जाता है जबकि इन आंकड़ों क़ी कई सफलताओं की गाथाएं

वर्तमान आधुनिक प्रौद्योगिकी डिजिटल युग में अंधविश्वासों गलतफहमियों से दूर, सकारात्मक सोच रखना सफ़लता की कुंजी है जीवन में हम जैसा सोचते हैं, वैसा हमारा मन हो जाता है, जो सशक्त और शक्तिशाली ऊर्जा का रूप है, इसमें विश्वास आशा और सुंदर विचारों को रखें वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ में भारत मान्यताओं कहावतों, पुराणों पंक्तियों, धार्मिक गाथाओं बलि रीति रिवाजों अंकगणित के अंकों सहित अनेक सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव पर आदि अनादि काल से चलता आ रहा है। पौराणिक काल से ही भारत में यह प्रथाएं चलती आ रही है। परंतु हम कुछ दशकों से देख रहे हैं अनेक कुप्रथाओं और नकारात्मक सोच वाली कुछ गतिविधियों पर शासकीय स्तरपर कानून बनाकर, या कुछ प्रथाओं को सामाजिक व्यक्तिगत या घरेलू स्तर पर बंद करने की कोशिशें की गई है।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

परंतु अभी भी कुछ कुप्रथाओं या विपरीत नकारात्मक सोच शुरू है जिन्हें शासकीय या सामाजिक स्तरपर बंद नहीं किया जा सकता। परंतु मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र ऐसा मानता हूं क़ि इन्हें केवल जनता जनार्दन ने जन जागरण अभियान चलाकर ही बंद किया जा सकता है जिसमें सबसे महत्वपूर्ण कहावत 3 और13 के आंकड़े की है, जिसे अशुभ माना जाता है हालांकि इन आंकड़ों के कई सफलताओं की गाथाओं में से सबसे अच्छा उदाहरण हमारे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के जीवन में 3 और 13 का महत्व है। उनकी राजनीत सफलताओं में 13 मई 1996

को पहली बार पीएम की शपथ लिए, 13 दिन बाद सरकार गिरी, दोबारा 13 महीने बाद पीएम बने, तीसरी बार पीएम बने तो 13 दिनों की साझा सरकार थी। 13 अप्रैल 1999

को शपथ ली तो पूरे 5 साल चली। 2004 के चुनाव में 13 अप्रैल को ही नामांकन भरा, इस प्रकार 13 का आंकड़ा उनके जीवन में साए की तरह चलता रहा। इन आंकड़ों के अनेक सफलताओं के भावों को देखा जा सकता है। इसलिए आज हम इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे कि आओ मन को सकारात्मक सोच नहीं ढालें। साथियों बात अगर हम तीन तिगड़ा काम बिगड़ा वाली कहावत की करें तो, वर्तमान आधुनिक डिजिटल युग में अंधविश्वासों गलतफहमियां से दूर सकारात्मक सोच रखना सफलता की कुंजी है। हम 3 या 13 के आंकड़े से डरते हैं या उससे दूर भागने की कोशिश करते हैं, अशुभ मानते हैं परंतु हम अगर तीन के सकारात्मक दृष्टिकोण और अपने मन को सकारात्मक सोच में ढालें तो सफ़ लता की गाथाएं हमारे जीवन से जुड़ जाएगी।

साथियों बात अगर हम 3 पर सकारात्मक सोच की करें तो,इसके पीछे की सच्चाई यह है कि कुछ लोग हमको अंधविश्वास में विश्वास दिलाना चाहते हैं जबकि ऐसा कुछ होता ही नहीं कोई संख्या किसी काम को निर्धारित नहीं करती ना ही उसके भविष्य को, अगर हमको लगता है कि 3 लोग किसी काम को मिलकर कर रहे हैं तो वह काम गड़बड़ हो जाएगा तो यह हमारी गलतफहमी है इसे दूर कर अंधविश्वासों से दूर रहें और सकारात्मक सोच वाले कुछ उदाहरणों को देखें। अखिल सृष्टि के देवता, तीनों देव ब्रह्मा, विष्णुर और महेश की संयुक्तत मूर्ति अधिकतर तस्वीीरों में मिलती है। लक्ष्मी, सरस्वती और पार्वती भी तीन हैं ।शंकर जी भोले बाबा का तिलक तीन रेखाओं में और त्रिशूल भी तीन शूलों से बना होता है। जब भी हम मंदिर में जाते हैं, तो तीन परिक्रमा के लिए ही कहा जाता है। पूजा के बाद आरती भी तीन बार लेकर भक्त जन प्रफुल्लित हो जाते हैं।पूजन करते वक्त मुख शुद्धि के लिए तीन बार आचमन किया जाता है और तीन ईष्टतदेव, कुलदेव और स्था नदेव का ध्याजन किया जाता है। हमारी उंगलियों की तरफ ध्यापन से देखें तो प्रत्यौक उंगली के पोर में तीन रेखाएं होती हैं। खेल प्रतियोगिता में भी प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेताओं को ही घोषित किया जाता है। जल को भी तीन भागों में भी बांटा जाता है ठोस, द्रव और गैस। समय को भी तीन कालों में बांटा गया हैवर्तमान काल, भूतकाल और भविष्यगकाल।सिगनल भी तीन होते हैं, लाल, पीला और हरा। घड़ी की सुईया भी तीन होती हैं। हम गौर करें कि हम गाड़ी से सफर कर रहे होते हैं, वहां भी तीन स्ली पर बर्थ होती हैं-लोअर, मिडल और अपर। जब दौड़ शुरू की जाती है तो उसका प्रारंभ भी तीन गिर्न्नों के बाद शुरू होता है। हमारे देश में या और अन्य देशों में भी सेनाओं को तीन भागों में बांटा गया है जल सेना, थल सेना और वायु सेना। नदियों का संगम भी तीन नदियों से ही होता है । त्रिदेव का स्मरण करके अपने ईष्टददेव की पूजा करते समय तीन अगरबत्ती जलाने को शुभ माना जाता है। मौसम भी तीन होते हैं-सर्दी, गर्मी और बरसात । आज भी हम स्नेह मिलन तीन बार करते हैं। पूरे विश्व में त्रिगुनात्मक शक्ति सर्वोपरी मानी जाती है। मानव जीवन में भी मुख्य तीन अवस्थायें होती हैं बाल्यकाल, यौवन अवस्था और वृद्धावस्था। साथियों तीन का प्रभाव सकारात्मक व नकारात्मक दोनों ही दर्ष्टि से हमारे जीवन पर प्रभाव डालता है । इसलिये हमें कभी भी नकारात्मक सोच नहीं रखनी चाहिये क्योंकि हम जैसा सोचते हैं हमारे जीवन में वैसा ही होता है । हमारा मन सबसे सशक्त व शक्तिशाली ऊर्जा का रूप है, इसमें विश्वास, आशा व सुंदर विचारों को रखना चाहिये । साथियों बात अगर हम 3 पर नकारात्मक सोच की करें तो, शंकर भगवान को विनाशकारी कहा जाता है क्योंकि उनके तीन नेत्र हैं।जब किसी व्यक्ति को गलत काम करने पर डांटा जाता है तो उसे थर्ड क्लास कहा जाता है। मुस्लिम धर्म में तीन बार तलाक-तलाक-तलाक बोलने पर तलाक हो जाता है, जिसपर अभी कानून बन गया है।पुलिस थर्ड डिग्री के आधार पर अपराधी से अपराध स्वीकार करवाती है जो अत्याधिक पीड़ादायक है। शरीर में स्वास्थ्य बिगडने की सबसे बड़ी समस्या वात, पित्त और कफ मानी जाती है।किसी भी घर में गणेश जी की तीन मूर्तियां रखना शुभ नहीं माना जाता है।तृतीय श्रेणी की नौकरी को अच्छा नहीं माना जाता है इसे सम्मानित दर्ष्टि से नहीं देखा जाता है। यहां लोग तीन तिगड़ा काम बिगाड़ा वाली सोच का संज्ञान लेते हैं जो एक नकारात्मक सोच है इसे बदलकर सकारात्मक सकारात्मक सोच में लाना चाहिए।

साथियों एक से दस तक के अंको में तीन अंक खास है, हमारे जीवन में सम और विषम अंक दोनो ही काफी महत्वा रखते हैं, कभी-कभी तीन अंक को लेकर सकारात्मसक और नकारात्म क सोच पर अच्छी खासी बहस हो जाती है। जैसे तीन सदस्योंर को एक साथ घर से शुभ काम के लिए नहीं निकलना चाहिए। देखा जाए तो तीन अंक को काफी शुभ माना गया है। पूजन के बाद हम आचमन करते हैं, तो पंषंडित तीन बार हमारी अंजली में पवित्र जल प्रदान करते हैं।

विचारों की माला तो
विश्वास के फूलों से बनती है,
यदि इसमें प्रेम रस भरा हो तो
सारे जहां की खुशी मिलती है ।
अगर मन की धड़कती आवाज
सुनने की आदत हो तो
दिल की कही हर बात भली लगती है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि तीन तिगड़ा काम बिगड़ा, आओ मन को सकारात्मक सोच में ढालें, वर्तमान आधुनिक डिजिटल युग में अंधविश्वासों गलतफहमियां से दूर सकारात्मक सोच रखना सफ़लता की कुंजी है। जीवन में हम जैसा सोचते हैं वैसा हमारा मन हो जाता है जो सशक्त और शक्तिशाली ऊर्जा का रूप है, इसमें विश्वास आशा और सुंदर विचारों को रखें।

(संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी)

आज का राशिफल

मेष- कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष- शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-4-5-6

मिथुन- शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-5

कर्क- रुपये पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

सिंह- समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कन्या- आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आगे बढने् के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-7-8-9

तुला- निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक- घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-5-6-9

धनु- चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अतःधैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-5-7-8

मकर- थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किये गए कार्यों का प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-4-6-7

कुम्भ- कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का मलाल, अवसाद रहेगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। शुभांक-3-5-7

मीन- प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-2-4-6

RNI No. GJHIN/25/A2786 Printed, Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad-380 004
(2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset, "Bhatiya Ni Wadi, Opp Kalupur Railway Station, Kalupur, Ahmedabad-380 002. (3) HADIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset, "Bhatiya Ni Wadi, Opp Kalupur Railway Station, Kalupur, Ahmedabad-380 002
and Published from 8/13, Sneh Plaza Shopping Center, L.D.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424. Editor: JIGNESHKUMAR PATHABHAI VAGHELA
Regd. Office: B/13, Sneh Plaza Shopping Center, IO.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424 Gujarat, India. Phone: (0) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Emal navsarjansanskru2016@gmail.com"navsarjansanskruti2016@yahoo.com Website: www.navsarjansanskruti.com

बीजेपी का महिला आरक्षण विरोधी चेहरा हुआ उजागर, इसलिए भ्रम फैला रही सरकार : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

चंडीगढ़ एजेंसी। कांग्रेस ने ऐतिहासिक फैसला लेते हुए हरियाणा सरकार द्वारा बुलाए गए विधानसभा के विशेष सत्र का बहिष्कार कर दिया और सदन के बाहर सामानांतर विधानसभा का आयोजन किया। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा की अध्यक्षता में हुई विधायक दल की बैठक में पार्टी ने एकमत से यह फैसला लिया। कांग्रेस विधायकों ने कहा कि भाजपा सरकार संवैधानिक संस्थाओं का मजाक उड़ा रही है। महिला आरक्षण का मुद्दा केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र का विषय है, राज्य सरकार का नहीं। इसलिए यह राज्य सरकार द्वारा यह सत्र बुलाना असंवैधानिक है तथा कांग्रेस विधायको ने जनता की गाडी कमाई का दुरुपयोग रोकने के लिए सत्र के दौरान विधायकों को मिलने वाले ञ्ज, ष्ठ लेने से भी इंकार कर दिया। हरियाणा के इतिहास में विधानसभा बायकॉट का इस प्रकार का फैसला पहली बार हुआ है. भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने समानांतर सदन में भाजपा सरकार की महिला आरक्षण विरोधी नीति और नीयत को

तथ्यों के साथ उजागर किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हर कीमत पर संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करेगी और बीजेपी के मंसूबे कामयाब नहीं होने देगी। प्रदेश सरकार ने असंवैधानिक उदेश्य से विशेष सत्र बुलाया था, जिसका कांग्रेस ने बॉयकॉट किया। विधानसभा के बाहर समानांतर सत्र में कांग्रेस विधायकों ने 2023 में पास हो चुके महिला आरक्षण बिल का समर्थन करते हुए उसे सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास किया और सरकार से इसे तुरंत प्रभाव से लागू करने की मांग की। क्योंकि संशोधन 2023 हो या संशोधन 2026 इनमें से किसी भी संशोधन में राज्यसभा में महिलाओं को आरक्षण देने का जिक्र नहीं है। क्योंकि सितंबर 2023 में संसद के दोनों सदनों ने सर्वसम्मति से महिला आरक्षण बिल पास कर दिया था। इस पर राष्ट्रपति ने भी मुहर लग चुकी है। यह कानून संविधान का अभिन्न अंग बन चुका है। बावजूद इसके तीन साल बाद भी भाजपा ने इसे लागू नहीं किया। यहां तक आरक्षण विधेयक को 30 महीने के बाद अधिसूचित किया गया। अब आरक्षण को और लटकाने के मकसद से सरकार ने जानबूझकर संसद में परिसीमन बिल पेश किया और उसमें साजिश के तहत महिला आरक्षण को जोड़ दिया। विपक्ष और पूरा देश भाजपा की इस चाल को समझ गया और सरकार की इस चाल को कामयाब नहीं होने दिया। विपक्ष लगातार मांग कर रहा है कि 2023 में पास हो चुके बिल को फौरन लागू किया जाए। अपनी महिला विरोधी नीति को छिपाने के लिए भाजपा अब जनता में भ्रम फैलाने की कोशिश कर रही है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने बताया कि कांग्रेस ने हमेशा महिलाओं का सम्मान किया है। देश की पहली महिला प्रधानमंत्री, पहली महिला मुख्यमंत्री, पहली महिला स्पीकर, पहली महिला राष्ट्रपति कांग्रेस ने ही बनाई। पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण कांग्रेस की देन है। स्व. राजीव गांधी के नेतृत्व में लाए गए 73वें और 74वें संविधान संशोधन के माध्यम से ग्राम पंचायत, ब्लॉक पंचायत तथा जिला पंचायतों में महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण सुनिश्चित किया गया। कांग्रेस ने ही 2010 में राज्यसभा में, जहां उसका संख्या बल था, महिला आरक्षण विधेयक को पारित कराया था। लोकसभा में गठबंधन सरकार होने के कारण इसे पारित नहीं कराया जा सका। लेकिन भाजपा ने बिल पास होने और कानून बनने के बाद भी इसे लागू नहीं किया। हुड्डा ने की मांग है कि जिस स्वरूप में 'महिला आरक्षण कानून 2023' पास हुआ है, उसी स्वरूप में लोकसभा के साथ-साथ राज्यसभा में भी लागू किया जाए। कांग्रेस विधायकों ने कहा कि हरियाणा की भाजपा सरकार द्वारा लाया गया निंदा प्रस्ताव पूरी तरह असंवैधानिक है। भाजपा जानबूझकर ऐसे मुद्दे उठा रही है जो केंद्र के अधीन आते हैं। भाजपा महिलाओं को आरक्षण देना ही नहीं चाहती क्योंकि उसकी नीयत ठीक नहीं है और वह जानबूझकर इसे टालने की कोशिश कर रही है। अगर भाजपा की नीयत ठीक होती तो मौजूदा 543 सांसदों में ही आरक्षण देकर कानून लागू किया जा सकता था।

कृषि आदान व्यापारियों की देशव्यापी हड़ताल, खाद-बीज की दुकानें बंद रहने से किसान परेशान

लालसोट। एग्रो इनपुट डीलर्स एसोसिएशन, नई दिल्ली के आह्वान पर सोमवार को कृषि आदान (खाद, बीज एवं कीटनाशक) व्यापारियों की देशव्यापी सांकेतिक हड़ताल का लालसोट क्षेत्र में व्यापक असर देखा गया। खरीफ सीजन की तैयारियों के बीच दुकानों के शटर गिरे रहने से किसानों को दिनभर खाद और बीज के लिए भटकना पड़ा। हड़ताल के दौरान कस्बे के व्यापारियों ने लामबंद होकर उपखंड कार्यालय पर प्रदर्शन किया। व्यापारियों ने अपनी 12 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रधानमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी (स्ढ्ढ्र) विजेंद्र मीणा को ज्ञापन सौंपा। व्यापारियों का कहना है कि वे लंबे समय से प्रशासनिक जटिलताओं और व्यावसायिक समस्याओं से जूझ रहे हैं, लेकिन सरकार द्वारा लगातार उनकी अनदेखी की जा रही है। प्रमुख मांगें और आपत्तियां

व्यापारियों ने ज्ञापन में मुख्य रूप से निम्नलिखित मांगों को रेखांकित किया: अनिवार्य टैगिंग की समाप्ति: सब्सिडी वाले उर्वरकों के साथ अन्य उत्पादों की जबरन टैगिंग व्यवस्था को तुरंत बंद किया जाए। मार्जिन में वृद्धि: उर्वरकों पर डीलर मार्जिन को बढ़ाकर न्यूनतम 8 प्रतिशत किया जाए। पारदर्शिता और सुरक्षा: सीलबंद उत्पाद का नमूना (स्द्बद्वश्चद्य) फेल होने पर निर्दोष विक्रेता को आरोपी बनाने के बजाय 'साक्षी' माना जाए। अवैध बीजों पर रोक: बाजार में अवैध एचटीबीटी (॥ञ्जक्च्ञ्ज) बीजों की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगे। संशोधन की मांग: प्रस्तावित बीज अधिनियम और कीटनाशक विधेयक 2025 में व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए संशोधन किया जाए।

आंदोलन तेज करने की चेतावनी : व्यापारियों ने सरकार को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो भविष्य में आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। इस दौरान नाथूलाल पटेल, नंदकुमार पांखला, बाबूलाल बढ़ाया, विजेंद्र जैन, रामबाबू गुप्ता, द्वारका गुप्ता सहित बड़ी संख्या में खाद-बीज विक्रेता उपस्थित रहे।

अयोध्या रोड डायवर्जन लागू होने पर सड़क पर बढ़ा यातायात का दबाव

लखनऊ, एजेंसी। कमता बस स्टैंड के पास बैरिकेडिंग लगाकर की गई यू-टर्न व्यवस्था के कारण चिनहट तिराहा, पॉलीटेक्निक और कमता में हर मोड़ पर जाम की स्थिति बन रही है। पॉलीटेक्निक से शहीद पथ जाने वाले वाहनों को सीधे जाने के बजाय लंबा यू-टर्न लेकर चिनहट या कमता से होते हुए भेजा गया। इससे सामान्य रास्तों पर वाहनों की संख्या बढ़ गई है और यातायात धीमा हो गया है। हालांकि जगह-जगह तैनात ट्रैफिक पुलिस यातायात को सामान्य कराते दिखी।

वन्य जीवों के भोजन में तरबूज, खरबूज की बढ़ाई गई मात्रा

लखनऊ , एजेंसी। नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान (चिड़ियाघर) में रहने वाले वन्यजीव गर्मी से बेहाल हैं। उनके शरीर में पानी की मात्रा की कमी न हो इसके लिए नियमित भोजन में तरबूज, खरबूज और खीरा की मात्रा बढ़ा दी गई है। टाइगर, जिराफ और हिरन जैसे जानवरों के बाड़े में पानी कूलर और फव्वारे का इंतजाम किया गया है। चिड़ियाघर के निदेशक संजय कुमार बिश्वाल ने बताया कि फव्वारे चलने से बाड़े के आसपास का तापमान कम रहता है और आर्द्रता नियंत्रित होती है। फव्वारे के नीचे हिरनों का पानी में अठखेलियां करते देखा जा सकता है। सभी बाड़ों के तालाबों की मरम्मत कराकर उनमें ताजा पानी भरवाया गया है, ताकि जीव जब चाहें उसमें स्नान कर सकें। पक्षियों को सीधी धूप से बचाने के लिए उनके बाड़े में हरे परदे, चटाई और खस लगाए गए हैं। बत्तख तालाब में भी छाया के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। शाकाहारी वन्य जीवों के भोजन में मौसमी फल और सब्जियां शामिल की गई हैं, जिनमें पानी की मात्रा अधिक होती है।

पारा 43 डिग्री पर... अप्रैल में गर्मी का तीन वर्ष का रिकॉर्ड टूटा

लखनऊ , एजेंसी। बीते कई दिनों से राजधानी भीषण गर्मी की चपेट में है। अप्रैल के आखिरी सप्ताह में जून जैसी तपिश महसूस की जा रही है। 43 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान के साथ रविवार इस सीजन के सबसे गर्म दिन के तौर पर दर्ज हुआ। इस तापमान में बीते तीन वर्ष में अप्रैल में गर्मी का रिकॉर्ड भी तोड़ा। इससे पहले अप्रैल 2022 में अधिकतम तापमान 45.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था जो एक दशक में सर्वाधिक है। रविवार को दिन चढ़ने के साथ ही गर्म हवा के थपेड़े चलने लगे। दोपहर तक शहर भट्ठी की तरह तपने लगा। सड़कों पर सन्नाटा नजर आया। कुछ सड़कों पर लॉकडाउन जैसे हालात देखने को मिले। मौसम विभाग का कहना है कि सोमवार को भी कमोबेश ऐसा ही भीषण गर्मी का सामना करना पड़ेगा। मंगलवार से मौसम में बदलाव के आसार हैं। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि 27 अप्रैल से सक्रिय होने वाले पश्चिमी विक्षोभ के असर से राजधानी में बादलों की सक्रियता बढ़ेगी। 28 से 30 अप्रैल के बीच हल्की बूंदाबांदी होने से तापमान में 3 से 5 डिग्री तक की गिरावट के संकेत हैं। इससे लू की परिस्थितियों से फौरी तौर पर राहत मिलेगी। हालांकि हवा में नमी की मौजूदगी से आभासी गर्मी बनी रहेगी। रविवार को अधिकतम तापमान 0.1 डिग्री की बढ़त के साथ 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं न्यूनतम तापमान 1.8 डिग्री की बढ़त के साथ 26.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

महंत प्रो. विश्वम्भरनाथ को वाह पखावज वाह सम्मान

वाराणसी , एजेंसी। अस्सी की पप्पू की अड़ी अस्सी पर रविवार को अखाड़ा गोस्वामी तुलसीदास व संकट मोचन मंदिर के महंत प्रो. विश्वंभर नाथ मिश्र का अभिनंदन हुआ। जागृति फाउंडेशन और अस्सी की अड़ी के विद्वतजनों ने उन्हें वाह पखावज वाह सम्मान से सम्मानित किया। अड़ी के प्रमुख स्तंभ अशोक पांडेय, सुरेश चौबे, अजय कृष्ण त्रिपाठी व रामयश मिश्र ने उन्हें ये सम्मान दिया। प्रो. विश्वंभर नाथ मिश्र ने कहा कि अस्सी की अड़ी काशी का वह प्रमुख द्वार है, जहां आपके विद्वता, सरलता और गुण की पहचान होती है। अगर आप यहां से सही सलामत निकल गए तो समझिए कि आप को बाबा विश्वनाथ का आशीर्वाद मिल गया है। इस दौरान भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अशोक पांडेय, प्रो. देवव्रत चौबे, सुरेश चंद चौबे, अजय कृष्ण त्रिपाठी, सुनील मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार अजय उपाध्याय, दुर्गा मंदिर के महंत विकास दुबे, राजेश त्रिपाठी, सुरेशचंद चौबे, हेमंत त्रिपाठी आदि ने अपने विचार रखे। प्रो. देवव्रत चौबे, एडवोकेट सुरेश चंद चौबे, कवि अजय कृष्ण त्रिपाठी, सुनील मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार अजय उपाध्याय, दुर्गा मंदिर के महंत विकास दुबे ने भी विचार रखे।

इस मौके पर राजेश त्रिपाठी, सुरेशचंद चौबे, मनोज यादव, राजकुमार सिंह, हेमंत त्रिपाठी, विश्वनाथ यादव, स्वर्ण प्रताप चतुर्वेदी, विनोद पांडेय, हृदय नारायण मिश्र, आनंद यादव आदि रहे।

महंगाई, विरोध प्रदर्शनों और मतदाताओं के गुस्से के बीच सूरत चुनावों में भाजपा के लिए कठिन चुनौती

(छगनलाल मेवाड़ा द्वारा) सूरत। सूरत में भीषण गर्मी और आसमान छूती महंगाई से जूझ रहे लोग तेल, गैस, दूध और अनाज जैसी आवश्यक वस्तुओं की कमी और बढ़ती कीमतों को लेकर व्यथा कर गुहार लगा रहे हैं। यह समझना मुश्किल है कि नगरपालिका, नगर निगम, तालुका पंचायत और जिला पंचायत जैसे स्वायत्त निकायों के चुनावों में किसका समर्थन किया जा रहा है।

क्योंकि अगर इस चुनाव में भाजपा को कड़ी टक्कर का सामना करना पड़े तो इसमें कोई हैरानी की बात नहीं होगी। इसके अलावा, घरेलू सामानों की बढ़ती कीमतों के साथ-साथ सूरत शहर में, खासकर भाजपा के गढ़ माने जाने वाले इलाकों में, चुनाव प्रचार के दौरान सत्ताधारी दल के खिलाफ जिस तरह का विरोध देखने को मिला, उससे भाजपा उम्मीदवारों का तनाव बढ़ गया है, साथ ही भाजपा के वफादार मतदाताओं ने भी अपना समर्थन जारी रखा है। इसलिए, पाटीदारों के गढ़ माने जाने वाले क्षेत्रों में भी, इन सभी मुद्दों के बावजूद आम आदमी पार्टी की ताकत जनता के बीच स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। अब, अगर हम अन्य मुद्दों की बात करें, तो अल्पसंख्यक क्षेत्रों में आशान्थार और यूसीसी के खिलाफ पोस्टर लगाकर सत्ताधारी पार्टी का विरोध करना भी उल्लेखनीय है। इस प्रकार, इस बार भाजपा के लिए चुनाव एक कठिन चुनौती होगी क्योंकि मतदाताओं का गुस्सा भाजपा उम्मीदवारों को शर्मिंदा करते हुए पीछे हटने पर मजबूर कर रहा है। इसे देखते हुए, यह निश्चित है कि जनता अब साहस दिखा रही है और सत्ताधारियों से सवाल पूछकर उन्हें असमंजस में डाल रही है। फिर, अपने वोट बैंक को बचाने के लिए बेशर्मी से शर्म-नुकसान-जुर्माना-भेदभाव की नीति का इस्तेमाल करने वाली सत्ताधारी पार्टी भाजपा बदलाव की हवा में बह जाएगी या आंधी-तूफान में अडिग रहेगी, यह तो 28/04/2026 को ही पता चलेगा।

सूरत स्थानीय चुनाव: उच्च मतदान से किसे फायदा और किसे नुकसान होता है?

(छगनलाल मेवाड़ा द्वारा) सूरत। राज्य में नगर निगम, जिला पंचायत और तालुका पंचायत जैसे स्थानीय स्वशासन निकायों के चुनाव संपन्न हो चुके हैं। दिन के उजाले में भी, जब मतदाताओं ने अपने मत डाले और लोकतंत्र का उत्सव मनाया, तो समाज के कुछ क्षेत्रों में उच्च मतदान से किसे लाभ होगा और किसे नुकसान होगा? सत्ताधारी दल, आम आदमी पार्टी और कांग्रेस पार्टी में भी इसका आकलन शुरू हो चुका है। इस तरह, ये स्थानीय स्वशासन चुनाव मूल रूप से बुनियादी जरूरतों पर निर्भर हैं।जल निकासी, पेयजल, सड़कें, गलियाँ, बिजली, शौचालय, अवैध निर्माण आदि जैसे मुद्दों पर विचार करके उनसे निपटना चाहिए। लेकिन मुख्य मुद्दा यह है कि सत्ताधारी दल ने मानो इसे नजरअंदाज कर दिया है, इस पर कोई चर्चा नहीं होती, महंगाई पर कोई बात नहीं होती, बेरोजगारी पर कोई बात नहीं होती, फिर भी अपराध क्यों बढ़ रहे हैं? सूरत में पिछले तीस वर्षों से सत्ता में बैठे राष्ट्रीय राष्ट्रीय पार्टी के नेताओं ने कभी इस पर बात नहीं की, न ही वे कभी किसी सभा में इस पर चर्चा करते हैं। यह ठीक है, लेकिन शहर के कुछ मतदाताओं ने तो चुनाव से पहले या चुनाव जीतने के बाद भी पांच साल तक उम्मीदवार को चुनाव लड़ते हुए नहीं देखा। फिर भी, भविष्य किसने देखा, भविष्य किसने देखा, भविष्य किसने देखा? इसलिए, चाहे उन्हें दूसरे कार्यकाल के लिए टिकट मिले या न मिले,सत्ताधारी दल के लिए चिंता का विषय यह है कि सत्ताधारी दल की नीतियों के कारण जनता में जो आक्रोश दिख रहा है, जैसे दूल्हा मरता है, दुल्हन मरती है और लोग शोक में डूबे रहते हैं। इसलिए, आम आदमी पार्टी अपनी सीटें बचाने को लेकर चिंतित है और कांग्रेस अपना खाता खोलने और पहल करने को लेकर चिंतित है।इसलिए, अनिश्चितता के माहौल में हुए इस चुनाव के परिणाम कल जब सामने आएंगे, तब पता चलेगा कि जनता का गुस्सा मतपेटियों में ठीक वैसे ही प्रतिबिंबित हुआ है जैसा प्रतीत हो रहा था, या फिर वही पुरानी घिसी-पिटी बात दोहराई जा रही है कि हिंदू खतरे में हैं।

केरल की संजना ने गणित ओलंपियाड में जीता यूरोपीय रजत पदक, 'मन की बात' में पीएम मोदी से मिली सराहना

तिरुवनंतपुरम । केरल के तिरुवनंतपुरम की 12वीं कक्षा की छात्रा संजना फिलो चाको ने फ्रांस के बोर्डो में आयोजित यूरोपीय गर्ल्स मैथमेटिकल ओलंपियाड (ईजीएमओ) 2026 में रजत पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है। संजना, जिन्होंने गणित में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन किया है, चार सदस्यों वाली उस भारतीय टीम का हिस्सा थीं जिसे एक कठिन और कई चरणों वाली राष्ट्रीय चयन प्रक्रिया के बाद चुना गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' के हालिया एपिसोड में भी उनकी इस उपलब्धि का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने इस वैश्विक आयोजन में भारत के प्रदर्शन की सराहना की। प्रधानमंत्री मोदी की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए संजना ने कहा कि यह उनके और अन्य महत्वाकांक्षी छात्रों के लिए अत्यंत गर्व और प्रेरणा का क्षण था। संजना ने आईएएनएस को बताया कि रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने इस प्रतियोगिता में भारत की उपलब्धि और सफलता का जिक्र किया। मुझे उम्मीद है कि इससे कई छात्रों, खासकर लड़कियों को, अपने जुनून को पूरा करने की प्रेरणा मिलेगी। यह मेरे लिए भी मेरी आगे की पढ़ाई के लिए एक बहुत बड़ी प्रेरणा है। संजना ने ओलंपियाड की कठिन चयन प्रक्रिया के बारे में भी बताया, जिसमें छात्रों की गणितीय दक्षता को कई स्तरों पर परखा जाता है। उन्होंने कहा कि पहला चरण 'इंडियन ओलंपियाड क्वालिफायर इन मैथमेटिक्स' (आईओक्यूएम) है, जो एक ऑब्जेक्टिव परीक्षा है। इसके बाद दो सब्जेक्टिव राउंड होते हैं, 'रीजनल मैथमेटिकल ओलंपियाड' (आरएमओ) और 'इंडियन नेशनल मैथमेटिकल ओलंपियाड' (आईएनएमओ)। संजना के अनुसार, आईएनएमओ से केवल मुट्ठी भर बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली लड़कियों को एक गहन प्रशिक्षण शिविर के लिए चुना जाता है, जहां उन्हें उन्नत कोचिंग और कड़ी परीक्षाओं से गुजरना पड़ता है। उन्होंने आगे कहा कि इस प्रशिक्षण शिविर से शीर्ष चार छात्रों को ईजीएमओ में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना जाता है। यूरोपियन गर्ल्स मैथमेटिकल ओलंपियाड एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता है, जिसका उद्देश्य युवा महिलाओं को उच्च स्तर पर गणित की पढ़ाई करने के लिए प्रोत्साहित करना है। दुनिया भर से आए प्रतिभागी इसमें कठिन समस्या-समाधान परीक्षणों में हिस्सा लेते हैं।

समुद्र तटों से परे भी एक गोवा है -जीआईटीबी 2026 में गोवा के पर्यटन मंत्री ने की खास बातचीत, यहां पढ़ें

त्येंद्र शुक्ला जयपुर । समुद्र तटों से परे भी एक गोवा है, जी हां गोवा का नाम आते ही जेहन में सुनहरी रेत और नीले समंदर की तस्वीरें उभरती हैं, लेकिन आधुनिक गोवा अब अपनी इस पहचान को विस्तार दे रहा है। इसे लेकर द ग्रेट इंडियन ट्रैवल बाजार (जीआईटीबी) 2026 में आए गोवा के पर्यटन मंत्री रोहन खुंटे ने गोवा के पर्यटन को लेकर पत्रकारों से खास बातचीत की ।

प्रश्न - गोवा हमेशा से पर्यटन में नवाचार के लिए जाना जाता रहा है। स्कूबा डाइविंग और वॉटर स्पोर्ट्स को लेकर वर्तमान में क्या नई दिशा तय की जा रही है? उत्तर - देखिए, स्कूबा डाइविंग और वॉटर स्पोर्ट्स हमारी पर्यटन गतिविधियों का एक अनिवार्य हिस्सा बन चुके हैं। लेकिन अब हम इसे केवल एक 'एक्टिविटी' के तौर पर नहीं, बल्कि समाज और लोगों के जुड़ाव के रूप में देख रहे हैं। आज गोवा साहसिक खेलों में देश के किसी भी राज्य से काफी आगे है। हमारा फोकस अब 'एक्सक्लूसिव' और 'अनुभवात्मक' पर्यटन पर है। प्रश्न - आपने 'अनुभवात्मक पर्यटन' की बात की। एक पर्यटक के लिए यह अनुभव सामान्य पर्यटन से कैसे अलग है?

उत्तर- यह बहुत दिलचस्प है। हम चाहते हैं कि पर्यटक गोवा को केवल उसके समुद्र तटों से नहीं पहचानें। हमारे यहाँ कुछ ऐसे 'इंटीग्रेटर्स' काम कर रहे हैं जो पर्यटकों को ई-बाइक पर गाँव की सैर कराते हैं। वे किसी छोटे से स्थानीय घर में सुबह का नाश्ता करते हैं, पगडंडियों पर चलते हैं और प्रामाणिक गोवन और कयाकिंग जैसी गतिविधियों से जुड़ते हैं। शाम तक वे उस गोवा को देख चुके होते हैं जो बीचेस की चमक-धमक से दूर और शांत है।

प्रश्न - आपने उत्तराखंड के साथ एक समझौता किया है। इस अनूठे जुड़ाव के पीछे क्या सोच है उत्तर - हम पर्यटन में राज्यों के बीच सहयोग के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उत्तराखंड के साथ हमारा समझौता बहुत विशेष है क्योंकि गोवा को 'दक्षिण काशी' माना जाता है और उत्तराखंड 'उत्तर काशी' है। यह 'अरब सागर से हिमालय' तक का एक सांस्कृतिक सेतु है। हम चाहते हैं कि दोनों राज्यों के बीच संस्कृति और पर्यटन का स्वस्थ आदान-प्रदान हो।भविष्य में गोवा पर्यटन का फोकस क्या रहेगा ।

केजरीवाल के कोर्ट बहिष्कार और सत्याग्रह पर 'आप' एकजुट, न्यायिक प्रक्रिया पर उठाए गंभीर सवाल

नई दिल्ली । दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल द्वारा जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा को लिखे गए एक पत्र के बाद सियासी और कानूनी हलकों में नई बहस छिड़ गई है। इस पत्र में उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है कि उन्हें अब जस्टिस शर्मा की अदालत से न्याय मिलने की उम्मीद नहीं रही, जिसके चलते उन्होंने न केवल स्वयं अदालत में पेश न होने का निर्णय लिया है, बल्कि अपने वकील को भी पेश न होने देने की बात कही है। केजरीवाल ने अपने इस फैसले को महात्मा गांधी के सत्याग्रह से प्रेरित बताते हुए कहा कि अब वे कानूनी लड़ाई के बजाय नैतिक और वैचारिक विरोध का रास्ता अपनाएंगे। इस फैसले पर आम आदमी पार्टी के कई नेताओं ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। आप नेता अमन अरोड़ा ने एक्स पर पोस्ट किया, 'जब न्यायिक प्रक्रिया पर राजनीति का साया पड़ जाता है तो सत्य और न्याय दोनों ही कमजोर पड़ जाते हैं।

आरएसएस से जुड़ी विचारधारा वाली भाजपा सरकार के मामले में, जहां का माहौल ही ऐसा हो कि न्यायाधीश के आरएसएस से संबंधों पर भी सवाल उठने लगे, वहां निष्पक्षता की गुंजाइश बहुत कम

रह जाती है।

इसी तरह पंजाब के पीडब्ल्यूडी मंत्री हरभजन सिंह ने अपने पोस्ट में लिखा कि न्याय की उम्मीद तभी होती है, जब न्यायपालिका पूरी तरह से निष्पक्ष हो, लेकिन जब मामला भाजपा सरकार ने दर्ज कराया हो, जिसका जुड़ाव आरएसएस की विचारधारा से है और सुनवाई जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा के सामने हो-जिन्होंने खुद आरएसएस के कार्यक्रमों में शामिल होने की बात स्वीकार की है और विरोधी वकील तुषार मेहता भी उसी सरकारी पैनल से जुड़े हों, तो निष्पक्षता और न्याय पर सवाल उठना लाजमी है। उन्होंने लिखा कि यही कारण है कि अरविंद केजरीवाल ने महात्मा गांधी जी द्वारा दिखाए गए सत्याग्रह के मार्ग को चुनते हुए यह फैसला किया है कि न तो वे खुद अदालत में पेश होंगे और न ही उनकी ओर से कोई वकील पेश होगा।

पंजाब के मंत्री लाल चंद कटारूचक ने कहा कि न्याय न केवल होना चाहिए, बल्कि वह होता हुआ दिखना भी चाहिए। जब मामला भाजपा सरकार से जुड़ा हो, वकील तुषार मेहता उसी पैनल से संबंधित हों और खुद जज ने भी आरएसएस से अपने जुड़ाव की बात स्वीकार की हो, तो न्याय की पूरी प्रक्रिया ही सवालों के घेरे में आ जाती है। ऐसी स्थिति में अरविंद केजरीवाल महात्मा गांधी के सत्याग्रह के मार्ग पर अडिग हैं और उन्होंने अदालत का बहिष्कार करने का निर्णय लिया है।

वहीं, पंजाब के गृह मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि हमारे नेता अरविंद केजरीवाल ने महात्मा गांधी से प्रेरित होकर सत्याग्रह का रास्ता चुना है, जो सत्य और न्याय के लिए लड़ने पर आधारित एक मजबूत पक्ष है। आजादी के बाद शायद यह पहली बार है जब किसी नेता ने व्यवस्थागत समस्याओं को उजागर करने के लिए ऐसा रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि जब किसी मामले की सुनवाई जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा कर रही हों, जिनका आरएसएस के मंचों से खुला जुड़ाव है और जिनके बच्चे सीबीआई के वकील तुषार मेहता के अधीन उसी सरकारी कानूनी पैनल से जुड़े हों, तो उनकी निष्पक्षता को लेकर उठने वाली गंभीर चिंताओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। केजरीवाल जी का उनकी अदालत में पेश होने से इनकार करना, न्याय व्यवस्था में लोगों का विश्वास बनाए रखने के लिए उठाया गया एक सैद्धांतिक कदम है।

इसी क्रम में संजीव अरोड़ा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल का मानना है कि कानूनी न्याय प्रक्रिया की विश्वसनीयता के लिए यह सबसे जरूरी है कि निष्पक्षता न केवल मौजूद हो, बल्कि दिखाई भी दे। जब सीबीआई की ओर से पेश होने वाले वकील और भाजपा सरकार द्वारा दर्ज मामले की सुनवाई कर रही अदालत की निष्पक्षता पर सार्वजनिक स्तर पर सवाल उठाए जा रहे हों, तो विवाद की स्थिति पैदा हो जाती है। ऐसे में अरविंद केजरीवाल ने महात्मा गांधी के सत्याग्रह के मार्ग को अपनाते हुए न्यायिक प्रक्रिया से दूर रहने का फैसला किया है।

विधायक हरदीप सिंह मुंडियन ने पोस्ट में कहा कि अरविंद केजरीवाल के साथ हो रहा अन्याय साफ तौर पर दिखाई दे रहा है। जब न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा उसी मामले की सुनवाई की अध्यक्षता कर रही हैं जिसमें तुषार मेहता पेश हो रहे हैं, और उनके पारिवारिक संबंधों को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं, तो 'हितों के टकराव' को लेकर जताई जा रही चिंता पूरी तरह से जायज हो जाती है। ऐसी परिस्थितियों में केजरीवाल का पक्ष न्याय की पारदर्शिता के लिए है।

क्या न्यूनतम वेतन कानून से फायदे की बजाय होगा नुकसान, कम सैलरी वाले श्रमिकों पर कितना असर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में नई वेतन व्यवस्था 1 अप्रैल, 2026 से लागू हो चुकी है। यह सभी सेक्टर में न्यूनतम वेतन का नियम अनिवार्य बनाता है। एक तरफ जहां, इस कदम का मकसद मजदूरों की सुरक्षा करना है। वहीं, दूसरी तरफ एक नई रिपोर्ट का तर्क है कि, यह शायद उन्हीं लोगों को नुकसान पहुंचा रहा है; जिनकी मदद करना इसका मकसद है। फाउंडेशन फॉर इकोनॉमिक डेवलपमेंट (स्नश्वष्ठ) की ओर से जारी एक स्टडी के अनुसार, भारत का मौजूदा न्यूनतम वेतन ढांचा इतना ऊंचा है कि, इसने लाखों कम कुशल मजदूरों के लिए कानूनी तौर पर नौकरी पाना मुश्किल बना दिया है। रिपोर्ट में पाया गया है कि लगभग 64 प्रतिशत भारतीय मजदूर अधिसूचित न्यूनतम वेतन से कम कमाते हैं। इससे भी ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि लगभग आधे मजदूरों के लिए, 30 प्रतिशत वेतन वृद्धि के बाद भी उन्हें नौकरी पर रखना गैर-कानूनी होगा। स्नश्वष्ठ का तर्क है कि भारत का न्यूनतम वेतन, आय के स्तर के हिसाब से समायोजित करने पर, चीन, वियतनाम और बांग्लादेश जैसे तुलनात्मक निर्यात करने वाले देशों की तुलना में लगभग 50

प्रतिशत अधिक है। औसतन, भारत का न्यूनतम वेतन औसत कैजुअल वेतन का 1.7 गुना है। विकसित अर्थव्यवस्थाओं में, यह अनुपात 0.26 और 0.60 के बीच होता है। इस अनुपात के बढ़ने से श्रम-प्रधान सेक्टरों को प्रतिस्पर्धी में बने रहने में मुश्किल होती है। इसके साथ ही, ओवरटाइम के लिए दोगुना वेतन देने का नियम लागत को और बढ़ा देता है। भारत को सालाना निर्यात क्षमता में अनुमानित 60 बिलियन का नुकसान होता है, साथ ही लाखों नौकरियां प्रतिस्पर्धी देशों में चली जाती हैं। भारत का लगभग 90 प्रतिशत कार्यबल अनौपचारिक क्षेत्र में है, जिनके पास न तो कोई अनुबंध है और न ही कोई सामाजिक सुरक्षा। स्नश्वष्ठ के संस्थापक निदेशक राहुल अहलूवालिया कहते हैं कि, इन आंकड़ों को नजर अंदाज करना मुश्किल है। 'अगर हमारे लगभग आधे कार्यबल को 30 प्रतिशत वेतन वृद्धि देने के बाद भी कानूनी तौर पर नौकरी पर नहीं रखा जा सकता, तो इसका मतलब है कि न्यूनतम वेतन का दांव उल्टा पड़ गया है।'

वेतन को लेकर मोल भाव करने का सुझाव : इसको लेकर एक ऐसा समाधान सुझाया है जो राजनीतिक रूप से कठिन है, लेकिन आर्थिक रूप से सरल है। वेतन पर मोल भाव करने की अनुमति देना। इस बीच, यह ऊंची न्यूनतम वेतन सीमा तय करने के बजाय वेतन सब्सिडी देने की सिफारिश करता है। यह क्षेत्रीय वास्तविकताओं को दर्शाने के लिए राष्ट्रीय न्यूनतम वेतन में लचीले पन की भी मांग करता है। लेकिन हर कोई इस बात से सहमत नहीं है कि इसका समाधान वेतन सुरक्षा नियमों को कमजोर करना है। संस्थापक और ष्टश्वह्र प्रणव कुमार कहते हैं कि इस बहस में संतुलन की जरूरत है। वह बताते हैं कि नए वेतन कोड के तहत, केंद्रीय नियमों के अनुसार मेट्रो शहरों में एक अकुशल मजदूर हर महीने 21,000 रुपये कमाएगा, जो महंगाई और परिवर्तनीय महंगाई।

मजदूरी में धीरे-धीरे बढ़ोतरी की कही बात

उन्होंने आगे कहा कि, न्यूनतम मजदूरी, मजदूरों के शोषण को रोकने और खपत को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाती है। असल बात यह नहीं है कि न्यूनतम मजदूरी लागू की जानी चाहिए या नहीं, बल्कि यह है कि इसे किस तरीके से लागू किया जाना चाहिए। मजदूरी में बढ़ोतरी धीरे-धीरे होनी चाहिए, साथ ही कौशल विकास, काम को औपचारिक बनाने और उत्पादकता में भी बढ़ोतरी होनी चाहिए।' बता दें कि, हाल ही में नोएडा और ग्रेटर नोएडा में हुए विरोध प्रदर्शनों से पता चलता है कि यह मुद्दा अभी पूरी तरह से सुलझा नहीं है। मजदूर ज्यादा वेतन चाहते हैं, लेकिन मालिक लागत को लेकर चिंतित हैं। नीति बनाने वालों के सामने एक मुश्किल दुविधा है। जैसे-जैसे भारत नई वेतन व्यवस्था लागू कर रहा है, एक सवाल उठ रहा है कि क्या न्यूनतम मजदूरी जरूरी है या नहीं। बल्कि असल सवाल यह है कि, जिस तरीके से इसे तय किया जा रहा है, क्या उसकी वजह से लाखों लोग औपचारिक रोजगार से बाहर हो रहे हैं।

जेएनयू में छत की सीलिंग गिरने से बढ़ी सुरक्षा की चिंता, छात्र काउंसिल ने डीन को लिखा पत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) परिसर में सुरक्षा और छात्र सुविधाओं को लेकर एक अहम मुद्दा सामने आया है। स्कूल आफ सोशल साइंस (एसएसएस)-2 भवन के सामने सीलिंग गिरने की घटना ने छात्रों और शिक्षकों की चिंता बढ़ा दी है। जेएनयू छात्र काउंसिल ने एसएसएस-2 के सामने छत गिरने की घटना को गंभीर सुरक्षा खतरा बताते हुए डीन को पत्र लिखा है। काउंसिल के अनुसार, प्रभावित क्षेत्र से प्रतिदिन बड़ी संख्या में छात्र, शिक्षक और कर्मचारी गुजरते हैं, जिससे किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। पत्र में प्रशासन से तत्काल निरीक्षण, मरम्मत कार्य और सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने की मांग की गई है ताकि भविष्य में किसी अप्रिय घटना को रोका जा सके। हालांकि विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से इस मामले में आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। वहीं, जेएनयू डीन कार्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए पीजी छात्रों के हास्टल आवंटन की सूची जारी कर दी है। विभिन्न श्रेणियों के छात्रों को ताप्ती, लोहित, झेलम, नर्मदा, सतलुज, माही, कावेरी और मांडवी सहित कई छात्रावास आवंटित किए गए हैं। सूची जारी होने के साथ ही आवंटन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है और छात्रों को 30 अप्रैल तक संबंधित हास्टल में शिफ्ट होने के निर्देश दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पहले अप्रैल में बीटेक छात्रों के लिए भी हास्टल आवंटन किया गया था। ऐसे में एक ओर जहां आवासीय सुविधाओं को लेकर प्रक्रिया तेज हुई है, वहीं परिसर की आधारभूत संरचना की सुरक्षा को लेकर उठे सवाल प्रशासन के लिए चुनौती बने हुए हैं।

जगतपुर में नाले में पानी के रुकने के कारण सड़क तालाब बनी हुई है। लगभग दो माह से अधिक समय से पानी का निकास

बाहरी दिल्ली, एजेंसी। न होने के कारण नाले के गंदा पानी सड़क पर भरा हुआ है। जिसके कारण लगभग आधा दर्जन रिहायशी क्षेत्रों के 10 हजार से अधिक लोग प्रभावित है। सड़क मार्ग से गुजरने वाले लगभग तीन हजार से अधिक स्कूटी बच्चों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। लगभग डेढ़ किलोमीटर की जगत मेन रोड के 300 मीटर का हिस्सा बदहाल पड़ा है। सड़क में अनगिनत गड्ढे और छह इंच तक पानी भरा हुआ है। राधा कृष्ण मंदिर के आसपास जलभराव के कारण लोग गंदे पानी के बीच जोखिम उठाकर निकलने को मजबूर है। सड़क मार्ग पर नाले के किनारे से लोग ईट-पत्थर से रखकर बनाए हुए रास्ते से गुजरते दिखें। नाले से निकाली गई सड़क पर डाल दी गई। जो बहकर वापस नाले में जा रही है। लंबे समय से गंदे पानी के जलजमाव के कारण आसपास बदबू व मच्छरों की भरमार हो चुकी है। जिसके कारण बीमारी व हादसे की आशंका भी बनी हुई है। सड़क की बदहाली के कारण कई लोग दुर्घटना का शिकार भी हो चुके है। सड़क मार्ग पर दुकानदारों का व्यापार भी ठप हो चुका है। जिसके कारण दुकानों पर ताले लगाकर जाने लगे है। सड़क की जर्जर हालत की वजह से मुझे अपना ढाबा बंद करना पड़ा। जलभराव के कारण ग्राहकों के आने का रास्ता ही नहीं है। तो काम कैसे चलेगा? इसलिए यहां 3-4 दुकानें बंद हो चुकी है। इस सड़क से आसपास के 5-6 स्कूलों के बच्चे और कई इलाकों के लोग गुजरते है। कई बार बच्चे और बुजुर्ग गिर भी जाते है। बीते दो माह से स्थित काफी गंभीर हो चुकी है। लोगों काफी समय से परेशान है। आगे बड़ा नाला जाम पड़ा है। जिसके कारण सड़क पर छोटे नालों का पानी ओवरफ्लो होकर सड़क पर भरा हुआ है। जब बड़े नाले की सड़क नहीं होगी। यह पानी नहीं निकलेगा। यहां सड़क पर काफी समय से समस्या बनी हुई है। मेरी उम्र 50 वर्ष से अधिक हो चुकी है। मैं अपनी साइकिल से यहां लोगों से आनाजाना करता हूं। लेकिन सड़क पर भरे पानी और गड्ढों के कारण गिरने का डर लगता है।

गुरुग्राम में सवारियों से भरी सिटी बस में अचानक आग लगने से मचा हड़कंप, बाल-बाल बचे यात्री

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम में रविवार दोपहर एक बड़ा हादसा बच गया। रविवार दोपहर करीब दो बजे मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन से मारुति कुंज की तरफ जा रही गुरुगमन सिटी बस में अचानक आग लग गई। ड्राइवर ने सूझबूझ से काम लेते हुए बस को रोका और फौरन सभी सवारियों को उतारा। हादसे में बस पूरी तरह जल गई, लेकिन सभी यात्री सुरक्षित बच गए। घटना सेक्टर 51 की है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बस मारुति कुंज की तरफ जा रही थी। इसी दौरान पिछले हिस्से में इंजन से धुआं उठा। इसे देखते ही बस ड्राइवर ने सेक्टर 51 महिला थाना के पास ही सड़क किनारे बस रोक दी। सभी सवारियों को तुरंत बाहर निकाला गया। देखते ही देखते बस आग का गोला बन गई। गनीमत रही कि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। सेक्टर 29 दमकल टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। जिस समय बस में हादसा हुआ, उस समय उसमें 20 से ज्यादा सवारियां मौजूद थीं।

गुरुग्राम विवि में 10 नए कोर्सेज की शुरुआत अब फॉरेंसिक साइंस और क्लीनिकल साइकोलॉजी की भी होगी पढ़ाई

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम विश्वविद्यालय ने उच्च शिक्षा को आधुनिक और रोजगारपरक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है। आगामी शैक्षणिक सत्र से विश्वविद्यालय कई नए कोर्स शुरू होंगे, जिससे क्षेत्र के विद्यार्थियों को नए अवसर मिल सकेंगे और उन्हें बदलते समय के अनुरूप तैयार किया जा सकेगा। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार यह पहल नई शिक्षा नीति के अनुरूप की जा रही है, जिसमें स्किल आधारित और बहु-विषयक शिक्षा पर विशेष जोर दिया गया है। इन कोर्स को इस तरह डिजाइन किया गया है।

दिल्ली-एनसीआर में बदलेगा मौसम का मिजाज, धूल भरी आंधी और बारिश के आसार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली वासियों को जल्द ही धूल भरी आंधी और वर्षा के चलते तपती गर्मी से कुछ राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को शहर के विभिन्न हिस्सों में तेज हवाओं के साथ हल्की वर्षा या बूंदाबांदी हो सकती है, जिससे पारे में भी कमी दर्ज की जाएगी। हालांकि, सोमवार को दिल्ली के कुछ इलाकों में लू का असर बरकरार रह सकता है। रविवार को सुबह से ही तेज धूप ने लोगों को परेशान करना शुरू कर दिया था। जैसे-जैसे दिन चढ़ा, धूप और तीखी होती गई, जिससे अधिकतम तापमान सामान्य से 3.1 डिग्री ऊपर यानी 42.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

इस दौरान हवा की रफ्तार 20 से 30 किमी प्रति घंटे रही और नमी का स्तर 22 से 60 प्रतिशत के बीच दर्ज किया गया। राहत की

बात यह है कि पिछले तीन दिनों से जारी लू के प्रकोप में रविवार को मामूली कमी देखी गई। शनिवार को तापमान 42.8 डिग्री सेल्सियस था, जो बादलों की आवाजाही के कारण रविवार को 0.7 डिग्री गिर गया। मौसम विभाग के मानकों के मुताबिक, रविवार को तकनीकी तौर पर लू की स्थिति नहीं रही, जिससे दिल्लीवालों को झुलसाने वाली गर्मी से हल्की सी राहत महसूस हुई। मौसम विभाग के अनुसार, हर पांच दिन में 'सामान्य तापमान' के मानक को अपडेट किया जाता है। 21-25 अप्रैल के लिए यह मानक 37.7 डिग्री था।

ई-कचरे का बढ़ता संकट: महंगे सुधार और पुर्जों की कमी से दम तोड़ रही भारत की मरम्मत संस्कृति

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली और एनसीआर सहित पूरा भारत अपनी 'जुगाड़' और पुराने सामान को मरम्मत कराकर चलाने वाली संस्कृति के लिए जाना जाता रहा है, लेकिन हालिया अध्ययन बताते हैं कि बढ़ती खरीदारी और तकनीक के दौर में भारत की यह पारंपरिक रिपेयर संस्कृति अब खतरे में है। पर्यावरण थिंक टैंक टाक्सिक लिंक की नई रिपोर्ट 'स्टिच इन टाइम' के अनुसार महंगे रिपेयर खर्च और पुर्जों की कमी के कारण भारतीय अब मरम्मत के बजाय नया सामान खरीदना ज्यादा पसंद कर रहे हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार बढ़ते ई-कचरे से निपटने के लिए केवल रिसाइक्लिंग काफी नहीं है। अगर भारत को टिकाऊ भविष्य

की ओर बढ़ना है, तो उसे अपनी पुरानी 'मरम्मत संस्कृति' को आधुनिक कलेवर में वापस लाना होगा। ताकि भविष्य में ये लोगों के लिए मुसीबत नहीं बने। कहीं मजबूरी, कहीं पसंद यह अध्ययन दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, नागपुर और रांची जैसे पांच प्रमुख शहरों में किया गया, जिसमें चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। दिल्ली और हैदराबाद : यहां के उपभोक्ता, चाहे वे किसी भी आय वर्ग के हों, पुराने सामान को बदलने (रिप्लेसमेंट) में सबसे आगे हैं। कोलकाता और रांची : रांची में आज भी लोग बचत और टिकाऊपन को प्राथमिकता देते हैं, जबकि कोलकाता में पुराना मजबूत सर्विस नेटवर्क अभी भी रिपेयर संस्कृति को जीवित रखे हुए है। टाक्सिक लिंक की वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी स्वाति भूषण कहती हैं कि रिपेयर की मांग तो है, लेकिन असली पुर्जों की अनुपलब्धता और सर्विस बैरियर ग्राहकों को नया सामान खरीदने पर मजबूर कर रहे हैं। वहीं, टाक्सिक लिंक के एसोसिएट डायरेक्टर सतीश सिन्हा का कहना है कि भारत को 'सर्कुलर इकोनामी' (जहां कचरा कम हो और संसाधन बार-बार इस्तेमाल हों) की ओर बढ़ने के लिए रिपेयर संस्कृति को नीतिगत समर्थन देना होगा। रिपोर्ट में कुछ प्रमुख सुझाव दिए गए हैं। -

दिल्ली में हीट वेव एक्शन प्लान लागू, दोपहर 12 से 3 बजे तक श्रमिकों के काम पर रोक; अस्पतालों में 'कूल रूम' तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानी में बढ़ते तापमान और लू की गंभीर स्थिति को देखते हुए 'हीट वेव एक्शन प्लान 2026' की विस्तृत समीक्षा कर उसे और प्रभावी बनाने के निर्देश जारी किए हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि इस वर्ष सरकार ने अपनी रणनीति को पिछले वर्षों की तुलना में और अधिक वैज्ञानिक और प्रभावी बनाया है और स्कूली बच्चों, निर्माण स्थलों पर कार्य कर रहे श्रमिकों का तो विशेष ध्यान रखा ही गया है। साथ ही पक्षियों व पशुओं तक पानी की उपलब्धता पहुंचाने के लिए विभागों को विशेष निर्देश जारी किए गए हैं। हीट वेव पीड़ितों के लिए विशेष टीमें भी तैनात की जा रही हैं। मुख्यमंत्री का कहना है कि स्कूली बच्चों को गर्मी और लू से बचाने के लिए अगर जरूरत हुई तो उन्हें छुट्टी से पहले स्कूल से ओआरएस का घोल पिलाकर ही घरों के लिए रवाना किया जाएगा ताकि रास्ते में डिहाइड्रेशन का खतरा

न रहे। दिल्ली सरकार ने दिल्ली के थर्मल हाटस्पाट और हीट आइलैंड क्षेत्रों की संवेदनशीलता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि दिल्ली में पिछले 2-3 वर्षों से लगातार 40 दिनों तक तापमान 40 डिग्री से ऊपर रहने का गंभीर ट्रेंड देखा जा रहा है। अनुमान है कि इस सीजन में दिल्ली की बिजली पीक पावर डिमांड 9,000 मेगावाट के स्तर को पार कर जाएगी, जो पिछले वर्ष की अधिकतम मांग 8,442 मेगावाट से काफी अधिक है। इस भारी मांग को देखते हुए सीएम ने बिजली कंपनियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि आपूर्ति में कटौती बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बढ रहे तापमान को देखते हुए मुख्यमंत्री ने सभी विभागों से पशु-पक्षियों के लिए पानी और छाया के निर्देश दिए हैं। सरकार ने दिल्ली अब 'कूल रूफ पॉलिसी 2026' के तहत कश्मीरी गेट अंतरराज्यीय बस अड्डा की छतों पर लगभग 28,674 वर्ग फुट में रिफ्लेक्टिव कोटिंग का काम पूरा कर लिया गया है, जिससे भवन के अंदर का तापमान कम रहेगा।

रघु राय नहीं रहे: कैमरे से बयां किया भारत का दर्द, जेपी आंदोलन से भोपाल त्रासदी तक अमर रहीं तस्वीरें

नई दिल्ली, एजेंसी। दफनाए जाते एक छोटे बच्चे की ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर, जो मिट्टी में दबा नजर आ रहा है और उसकी आंखें खुली हैं। रघु राय की खींची यह फोटो वर्षों तक भोपाल गैस त्रासदी की सबसे दर्दनाक पहचान बनी रही। यह सिर्फ एक तस्वीर नहीं थी, बल्कि पूरे देश का दर्द, एक पूरी कहानी अपने अंदर समेटे थी, जिसे देख लोग आज भी सिहर उठते हैं। अब जब रघु राय हमारे बीच नहीं हैं, तो उनकी यादगार तस्वीरों को सोशल मीडिया पर साझा कर लोग उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित कर रहे हैं। दैनिक में बतौर फोटो एडिटर योगदान दे चुके जगदीश यादव बताते हैं कि संपूर्ण क्रांति के आह्वान के साथ 1974 में शुरू जयप्रकाश नारायण (जेपी) के आंदोलन को उस समय यदि पूरे देश के युवाओं का समर्थन मिला तो उसमें कहीं न कहीं फोटोग्राफर रघु राय की खींची तस्वीर का भी योगदान रहा।

जगदीश यादव बताते हैं कि जेपी का आंदोलन उस समय बिहार में ही सीमित था। आंदोलन को कुचलने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया। रघु राय ने एक तस्वीर खींची, जिसमें एक पुलिसवाला गुस्से में लाठी ताने और जेपी बचते दिख रहे हैं। तस्वीर पूरे देश के अखबारों में छपी। तत्कालीन सरकार के दमनकारी कदम को लेकर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। दमन के खिलाफ देशभर के युवा जेपी आंदोलन से जुड़ने लगे। जेपी आंदोलन को उस एक तस्वीर ने देशभर में फैला दिया। जगदीश यादव कहते हैं कि मेरा सौभाग्य रहा कि मुझे उनसे सीखने का मौका मिला। बात 1979 की है। सरकारी नौकरी छोड़कर मैं फोटोग्राफी से जुड़ा। जहां काम पकड़ा, वहां रघु राय का सानिध्य मिला। उस दौर में जब ज्यादातर फोटोग्राफर कार्यक्रम तक सीमित थे, रघु राय इकलौते ऐसे फोटोग्राफर थे, जो मनोभाव और इमोशन को दिखाने वाली तस्वीरें खींचते थे।

मनपसंद फोटो मिलने तक एक ही फ्रेम पर करते थे काम : प्रतिष्ठित अखबार में बतौर फोटो एडिटर योगदान दे चुके नीरज पाल बताते हैं कि फोटोग्राफी तो पिता एस. पाल से सीखी, पर तस्वीर लेने के लिए जो समझ, धैर्य और अनुशासन होना चाहिए, वो अंकल रघु राय से सीखने को मिला। वर्ष 1984 में 12वीं के बाद रघु राय के बेटे नितिन और कुछ दोस्तों के साथ फोटोग्राफी शुरू की। हम दिल्ली की सड़कों पर निकलते, चिड़ियाघर से लेकर ऐतिहासिक स्मारकों में समय बिताते थे। उनके लैब में हम घंटों साथ होते।

दिल्ली में हेड कॉन्स्टेबल ने डिलीवरी ब्वॉय को क्यों मारी गोली बर्थडे पार्टी से दोस्त के साथ लौट रहा था युवक

पश्चिमी दिल्ली, एजेंसी। जाफरपुर कलां थाना क्षेत्र में शनिवार रात दोस्त के बेटे की जन्मदिन की पार्टी से लौट रहे दो दोस्तों को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल में तैनात हेड कॉन्स्टेबल ने गोली मार दी। मृतक की पहचान पांडव कुमार और घायल की पहचान कृष्ण के रूप में हुई है। बताया गया है कि वारदात के दौरान नशे में आरोपित ने भीड़ लगाने का कारण पूछा और गाली गलौज करने लगा, लोगों ने विरोध किया तो गोली चला दी। घायल को डीडीयू अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ हत्या और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

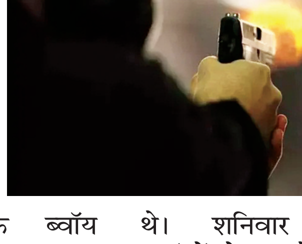

क्या है पूरा मामला : पुलिस के मुताबिक पांडव कुमार उत्तम नगर की प्रजापति कॉलोनी में रहते थे और जोमैटो में डिलीवरी ब्वॉय थे। शनिवार वह जाफरपुरकलां में दोस्त रूपेश के दो साल के बेटे की जन्मदिन की पार्टी में गए थे। देर रात करीब दो बजे पार्टी खत्म होने के बाद रुपेश सभी के साथ मेन रावता रोड पर गए। सड़क पर एक मोटरसाइकिल पर पांडव, दोस्त कृष्ण बैठे थे और महिलाओं समेत अन्य लोग भी थे। तभी पास में ही रहने वाला दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल में तैनात कॉन्स्टेबल नीरज वहां आया और भीड़ लगाने का कारण पूछने लगा। आरोप है कि नशे में कॉन्स्टेबल ने गाली गलौज शुरू कर दी। जिसका पांडव कुमार ने विरोध किया। इसी बात पर वह आगबबूला हो गया और पिस्टल निकालकर पांडव कुमार के माथे पर रख दी और बाद में सीने से सटाकर गोली चला दी। गोली पांडव के सीने को चीरती हुई उसके पीछे बैठे कृष्ण के पेट में जा लगी। इसके बाद आरोपित फरार हो गया।

पीड़ित पक्ष ने किया थाने का घेराव : पांडव कुमार की मौत के बाद स्वजन और लोगों में पुलिस के खिलाफ गुस्सा है। उन्होंने जल्द से जल्द आरोपी की गिरफ्तारी की मांग करते हुए उसे फांसी देने की मांग की। गुस्साए लोग रविवार सुबह थाने के बाहर पहुंचे और हंगामा किया। बात बढ़ने पर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और उन्होंने कार्रवाई का आश्वासन देकर स्वजन और लोगों को शांत कराया।

पिता और मां का सहारा छिना : उत्तम नगर की 'प्रजापति कॉलोनी' के एक छोटे से मकान में रह रहे बिहार के खगड़िया के रहने वाले गणेश ने कभी नहीं सोचा था कि जिस बेटे के कंधों के सहारे उन्होंने बुढ़ापे को काटने का सपना देखा था, उसी का शव उन्हें उठाना पड़ेगा।

पाडंव कुमार परिवार की रीढ़ था। पिता गणेश की पथराई आंखें और मां की सिसकियां बता रही थीं कि उन्होंने सिर्फ बेटा नहीं, बल्कि अपनी जीने की वजह खो दी है। परिवार का पूरा खर्च पांडव ही चलाता था। घर में छोटा भाई विकास और एक शादीशुदा बहन है। विकास की पढ़ाई और घर का चूल्हा, सब कुछ उसी की मेहनत से चलता था। अब इस परिवार के सामने रोजी रोटी का संकट गहरा गया है।

महिला की हत्या के 29 साल पुराने मामले में दो दोषियों की सजा बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी। शिवपुरी में 1997 में लूटपाट के दौरान एक महिला की हत्या के 29 साल पुराने मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने मंगलवार को दो दोषियों की उम्रकैद की सजा को बरकरार रखा। न्यायमूर्ति नवीन चावला व न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा की पीठ दोषी करार देने के निर्णय को चुनौती देने वाली अपीलकर्ताओं की याचिका को खारिज करते हुए सजा को बरकरार रखा। पीठ ने कहा कि ट्रायल कोर्ट के निष्कर्षों में कोई विकृति या गैर-कानूनी बात नहीं पाई गई है और दोषियों के खिलाफ अभियोजन पक्ष ने मामला साबित किया है। पीठ ने कहा कि अपील याचिकाएं खारिज की जाती हैं और अपीलकर्ता अनिल कुमार और सूर्य नारायण को दी गई सजा और दोषसिद्धि को बरकरार रखा जाता है। साथ ही पीठ ने शेष सजा काटने के लिए दोनों को एक सप्ताह के भीतर जेल अधीक्षक के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया। अदालत ने चेतावनी दी कि आत्मसमर्पण नहीं करने पर पुलिस गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए।

क्या है पूरा मामला : इस महिला का शव 9 मई, 1997 को डाबरी पुलिस स्टेशन इलाके के शिव पुरी में एक घर में मिला था। पीड़िता दूजा देवी की हत्या अपीलकर्ताओं ने लूटपाट के दौरान की थी। अपराध से पहले, दोनों दोषियों को आखिरी बार मृतका के साथ देखा गया था। जांच में पता चला था कि पीड़िता का गला किसी धारदार हथियार से काटा गया था। ट्रायल कोर्ट ने एक मई 2004 को दोनों को हत्या सहित अन्य धाराओं में दोषी करार देकर उम्रकैद की सजा सुनाई थी। साथ ही दोनों पर पांच-पांच हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया था।